RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-294 जयपुर, बुधवार, 22 अप्रैल 2026 मूल्य-4 रूपये

केदारनाथ धाम के कपाट आज खुलेंगे

देहरादून, (एजेंसी.)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट कल यानी बुधवार को प्रातः 08 बजे शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसके साथ केदारनाथ यात्रा 2026 का आधिकारिक शंखनाद हो जाएगा।

कपाट उद्घाटन के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी धाम पहुंचकर परंपरागत धार्मिक अनुष्ठानों एवं विशेष पूजा-अर्चना में शामिल होंगे। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली भी धाम पहुंच चुकी है। प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों ने कपाट खुलने की सभी तैयारियां भी पूरी कर ली हैं। कपाट खुलने को लेकर पूरे धाम क्षेत्र में भव्य धार्मिक वातावरण देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच रहे हैं और बाबा के दर्शन के लिए उत्साह चरम पर है। केदारनाथ मंदिर को 51 क्विंटल फूलों से सजाया गया है।

गुजरात में फूड पॉइजनिंग से 200 लोग बीमार

गुजरात

गुजरात के दाहोद जिले में शादी के दौरान फूड पॉइजनिंग से 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इनमें से 59 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सोमवार रात की है। शादी में 400 से ज्यादा लोग पहुंचे थे। रात 8 बजे के आसपास डिनर शुरू हुआ। कुछ लोगों के मुताबिक, आम का जूस पीने के बाद तबीयत बिगड़ने लगी।

बीमार लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बाद में यह संख्या 200 से ज्यादा हो गई।

दाहोद कलेक्टर योगेश निर्गुडे ने बताया कि अभलोड गांव में शादी के दौरान खाना खाने के बाद 230 लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। डॉक्टर डॉ. राजीव डामोर ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की हालत ठीक है।

केरलम के त्रिशूर में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 की मौत

10 शव बरामद, 3 लोगों के शरीर के हिस्से बिखरे मिले

त्रिशूर

केरलम के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। कई लोग झुलस गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, मौके से 10 शव मिले, जबकि 3 लोगों के शरीर के हिस्से मिले है। 5 घायलों की हालत गंभीर है। 17 लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

पटाखे खेतों के बीच बने शेड में बनाए जा रहे थे। हादसे के समय करीब 40 लोग मौजूद थे। फायर ब्रिगेड, पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन रुक-रुक कर विस्फोट होने से रेस्क्यू में दिक्कत आई।

पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के

परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया। वहीं, राज्य सरकार ने राहत और बचाव के लिए जिला प्रशासन को 50 लाख दिए हैं।

हादसे में घायल हुए मजदूर विल्सन ने कहा कि अचानक से तेज चमक दिखाई दी, फिर आग लग गई। इसके बाद का कुछ भी याद नहीं रहा। उसने कहा कि यूनिट में ज्यादातर स्थानीय लोग ही काम कर रहे थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

चार जिलों से डॉक्टरों की टीमें बुलाई गई

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि त्रिशूर हादसे में घायल लोगों के इलाज के लिए त्रिशूर मेडिकल कॉलेज, जनरल अस्पताल और आसपास के अस्पतालों में व्यवस्था की गई है।

मेडिकल कॉलेज में मास कैजुअल्टी प्रोटोकॉल लागू किया गया है। बर्न यूनिट तैयार रखी गई है। आसपास के जिले तिरुवनंतपुरम, एर्नाकुलम, कोट्टायम और कोझिकोड से डॉक्टरों की टीमें भी इलाज में मदद के लिए भेजी जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने दुख जताया, मुआवजे की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के त्रिशूर में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट की घटना पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक संदेश में कहा, केरल के त्रिशूर में एक पटाखा फैक्टरी में हुई दुर्घटना के कारण हुई जान-माल की हानि के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों। मुआवजे की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि केरल के त्रिशूर के मुंडाथिकोड में पटाखा फैक्टरी में आज हुए धमाके में कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं।

पीथमपुर में केमिकल वेस्ट कंपनी में भीषण आग, रेलवे-डिफेंस सप्लायर कंपनियां भी जलीं

धमाकों से दहशत, हालात बेकाबू

पीथमपुर

मध्यप्रदेश के धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-3 स्थित हजारगो इंडस्ट्रीज में मंगलवार रात करीब 9:45 बजे लगी भीषण आग 5 घंटे बाद भी काबू में नहीं आ सकी है। आग इतनी तेजी से फैली कि पास की रेलवे और डिफेंस सेक्टर को सप्लाई करने वाली कंपनियां भी इसकी चपेट में आ गईं और भारी नुकसान हुआ है।

आग लगते ही कुछ ही मिनटों में हालात बेकाबू हो गए। केमिकल ड्रमों में लगातार धमाके होने लगे, जिससे पूरा औद्योगिक क्षेत्र दहशत में आ गया। जिस समय आग लगी, उस वक्त करीब 10 मजदूर काम कर रहे थे, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया गया।

वेस्ट मैनेजमेंट और केमिकल कचरे के निस्तारण का काम करने वाली इस यूनिट में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और लपटें आसपास की अन्य फैक्ट्रियों तक पहुंच गईं, जिसके बाद कई यूनिटों को खाली कराना पड़ा।

इंदौर समेत आसपास के शहरों से दमकल की गाड़ियां लगातार मौके पर पहुंच रही हैं। अब तक 14 फायर फाइटर आग बुझाने में जुटे हैं, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। दूर-दूर तक काले धुएं का गुबार दिखाई दिया।

रेलवे-डिफेंस सप्लायर कंपनियों को भारी नुकसान

स्लीपलूप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और गलार्ड स्टील लिमिटेड के मालिक जौहर काला ने बताया कि पास की यूनिट में लगी आग से उनकी पूरी प्लांट और मशीनरी जलकर खाक हो गई है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनियां रेलवे और डिफेंस सेक्टर की सप्लायर हैं और इस घटना के बाद उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे करोड़ों का नुकसान हुआ है। काला ने आरोप लगाया कि पिछले 4 साल में यह चौथी बार आग लगी है और कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आग बुझाने इंदौर से SDRF की टीम पहुंची

आग बुझाने के लिए लगातार पानी और टैंकरों से सप्लाई की जा रही है। कई जगह रेत भी डाली जा रही है ताकि आग फैल न सके। दमकल कर्मी लगातार लपटों को काबू में करने की कोशिश कर रहे हैं। इंदौर से एसडीईआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर, एसडीएम राहुल गुप्ता, कार्यपालन मजिस्ट्रेट राहुल गायकवाड़ समेत पुलिस-प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद थे।

अमित शाह ने कर्सियांग रैली में राज्य सरकार पर साधा निशाना

टीएमसी ने लोगों के साथ धोखा किया

कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव-2026 के पहले चरण के मतदान प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दार्जिलिंग के कर्सियांग में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने गोरखा समुदाय की समस्याओं, महिलाओं की सुरक्षा, घुसपैठ रोकने और उत्तर बंगाल के विकास को लेकर कई अहम वादे किए।

अमित शाह ने दावा किया कि इस बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है

और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि जनता परिवर्तन के लिए तैयार है और आगामी चुनाव राज्य की दिशा तय करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर गोरखा समुदाय की लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि जल्द ऐसा समाधान निकाला जाएगा, जिससे गोरखा समाज को संतोष मिलेगा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने वर्षों तक दार्जिलिंग और गोरखा समाज के साथ न्याय नहीं किया, जिसके कारण क्षेत्र विकास से वंचित रहा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि कुछ गोरखा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, तो चुनाव के बाद उन्हें फिर से जोड़ा जाएगा और हर पात्र मतदाता को उसका अधिकार दिलाया जाएगा।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

सबरीमाला के वकील बोले- भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य सामाजिक सुधार या जनहित के नाम पर किसी धार्मिक प्रथा या रिवाज पर रोक लगाता है, तो उसकी जांच कोर्ट कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम नहीं तो फिर जांच कौन करेगा?

कोर्ट ने साफ किया कि ज्यूडिशियल रिव्यू की शक्ति पर कुछ सीमाएं हैं, लेकिन यह नहीं कह सकते कि कोर्ट के पास कोई अधिकार ही नहीं है। बेंच ने ये बातें सीनियर वकील जे साई दीपक की दलीलों पर कहीं। वे पंडालम शाही परिवार और ऐतिहासिक श्रीउर मठ की तरफ से कोर्ट में पेश हुए थे।

एडवोकेट दीपक ने कहा - कई धार्मिक परंपराएं इतनी पवित्र होती हैं कि कोर्ट को उनमें दखल नहीं देना चाहिए। अगर सरकार किसी परंपरा को कानून में लिख दे (कोडिफाई कर दे), तो इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट उसे जांचने लगे। कोर्ट का काम सिर्फ यह देखना है कि कानून संविधान के अनुसार है या नहीं, धार्मिक परंपरा सही है या गलत- यह तय करना नहीं।

इसके पहले कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।'

सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। अपने पत्र में वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 18 अप्रेल 2026 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में लोकसभा के सदस्यों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके इरादों पर सवाल उठाए। कांग्रेस का कहना है कि यह संसद की गरिमा और सांसदों के अधिकारों का उल्लंघन है।

अगर लोकसभा अध्यक्ष इस नोटिस को स्वीकार करते हैं, तो मामला विशेषाधिकार समिति को भेजा जा सकता है, जहां इसकी विस्तार से जांच होगी।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा के नियम 222 के तहत यह नोटिस दिया है। उनका कहना है कि 17 अप्रैल को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो पाया। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित किया और अपने भाषण में विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाए।

टैंकर ने कार को रौंदा, 6 की मौत, एक घंटे फंसे रहे युवकों के शव

बड़वानी

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जुलवानिया टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार टैंकर ने बारातियों से भरी कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दूल्हे के भाई समेत 6 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।

सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म होने पर ये युवक दूसरी कार से डीजल लेने जुलवानिया की ओर गए थे।

वापसी के दौरान खरगोन की

ओर से आ रहे अनियंत्रित टैंकर ने उनकी टीयूवी कार को जोरदार टक्कर मार दी।

टैंकर चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर जब्त कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और सभी युवक अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कार में फंसे युवकों को बाहर निकालने में करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। शुरुआती जानकारी में 3 युवकों की मौके पर मौत हुई थी, जबकि बाद में 3 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

एंबुलेंस में खराबी, परिजन घायलों को ले गए

घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। इसी दौरान एम्बुलेंस में तकनीकी खराबी आने से करीब 20 मिनट की देरी हुई, जिसे 'गोल्डन ऑवर' में अहम माना जा रहा है। हालात बिगड़ने पर परिजन ही घायलों को निजी साधनों से अस्पताल लेकर पहुंचे।

वसुंधरा के फर्जी लेटर मामले में 3 कांग्रेसी हिरासत में

जयपुर/भोपाल

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का संघ प्रमुख मोहन भागवत के नाम से सोशल मीडिया पर आए फर्जी लेटर का मामला अब मध्यप्रदेश से जुड़ गया है। लेटर को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर एमपी कांग्रेस आईटी सेल के 3 कार्यकर्ताओं को भोपाल पुलिस ने हिरासत में लिया है। एमपी के पार्टी प्रभारी हरीश चौधरी और सांसद विवेक तन्खा ने हिरासत पर सवाल उठाए हैं।

हरीश चौधरी ने एक्स पर लिखा- कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से पुलिस हिरासत में रखना निंदनीय है। यह कानून व लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

उन्होंने कहा- असहमति की आवाज दबाने का यह तरीका स्वीकार्य नहीं है। यह सत्ता के दुरुपयोग को दर्शाता है।

कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने फेसबुक पर लिखा- पिछले 27 घंटे से भोपाल साइबर पुलिस ने कार्यकर्ताओं को बिना किसी वाजिब कारण के हिरासत में रखा है।

पचपदरा रिफाइनरी पहुंचे सीएम, ढाई घंटे तक की अफसरों से चर्चा

बाड़मेर/बालोतरा

बालोतरा के पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को हुए भीषण अग्निकांड के बाद आज सीएम भजनलाल शर्मा वहां पहुंचे। उन्होंने ढाई घंटे तक अधिकारियों से हादसे को लेकर चर्चा की। इस दौरान सीएम ने जहां आग लगी, उस जगह का भी निरीक्षण किया। सीएम के साथ कानून मंत्री मंत्री जोगाराम पटेल और मुख्य सचिव वी श्रीनिवास भी थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा रद्द होने के बाद मुख्यमंत्री दोपहर करीब 12:30 बजे रिफाइनरी पहुंचे थे। इससे पहले NIA और स्टेट की जांच एजेंसियां भी पहुंच गई थीं। रिफाइनरी के गेट नंबर 1 और 2 पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बाहरी लोगों की एंट्री पर पूरी तरह रोक है।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- अग्निकांड की कमेटी जांच कर रही है। जो भी तकनीकी खामियां रही होंगी, उसे दूर किया जाएगा। जल्द ही रिफाइनरी को शुरू किया जाएगा।

करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का पीएम उद्घाटन करने वाले थे। हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा स्थगित कर दिया गया था।

जल्द नहीं तारीख का ऐलान होगा

मंत्री केके विश्नोई ने कहा- सीएम ने पूरी स्थिति का मौका मुआयना किया। वहीं एचपीसीएल के अफसरों से भी बातचीत की। तीन से चार महिला कर्मचारी भी थी, जिन्होंने आग पर काबू पाया। हम जल्द ही नई तारीख का ऐलान करेंगे। सरकारी और प्राइवेट सभी कंपनियां जांच करेंगी।

मंत्री जोगाराम बोले- HPCL की ओर से जांच जारी

मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा रिफाइनरी के एक छोटे से भाग का नुकसान हुआ है। हमें उम्मीद है कि एचपीसीएल कंपनी के अफसर जल्द ही उसको सही करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बाद तय समय के अनुसार रिफाइनरी का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। फिलहाल एचपीसीएल टीम कितना नुकसान हुआ इसका आकलन करेगी। जांच एजेंसी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी की जांच का विषय नहीं है, लेकिन HPCL वाले अपने स्तर पर पूरी जांच कर रही है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने रिफाइनरी हादसे को लेकर रिफाइनरी के मीटिंग हॉल में अधिकारियों की बैठक ले ली।

करीब ढाई घंटे तक सीएम ने अफसरों से चर्चा की। उन्होंने हादसे के पीछे क्या कारण रहे को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हादसे वाली जगह का भी निरीक्षण किया।

देश के मैदानी इलाकों में गर्मी के तेवर तीखे

नई दिल्ली

देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44 डिग्री पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है।

मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा।

राज्य में गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है।

महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को पारा 43 डिग्री दर्ज हुआ। दोनों जिलों में दोपहर 12:30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल बंद कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े।

दोनों ही राज्यों में दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप में काम करने पर रोक लगा दी गई है। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के काम के घंटे बदलकर सुबह 6 से 11 और शाम 4 से 8 बजे कर दिए गए हैं।

बाड़मेर में रात का तापमान 30 डिग्री, कोटा सबसे गम

राजस्थान में झुलसाने वाली गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। सोमवार को 12 शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। बाड़मेर, जैसलमेर से ज्यादा गर्मी कोटा में रही, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। वहीं, रात में सबसे ज्यादा गर्म बाड़मेर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रैश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रैश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से उठते धुएं के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते धुएं को देखकर ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने झारखंड और ओडिशा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं टूटा था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाठी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रामक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

-थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करैरा के एसडीओपी आयुष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथित रूप से संशोधित थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। इस घटना ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसरन मैदान में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों द्वारा किया गया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाम आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर टूरिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फुलप्रूफ सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गईं, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हाल ही में इन इंतजामों का रिव्यू किया। अब, करीब एक साल बाद, पहलगाम के मशहूर मैदान फिर टूरिस्ट की चहल-पहल से गुलजार हैं, और किसी को भी अनंतनाग जिले में मिनी स्विट्ज़रलैंड जाने का पछतावा नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साए से उबर रहा है। टूरिस्ट की सुरक्षा पक्का करने के लिए पहलगाम रिसॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेंडर, जिसमें पोनीवाला भी शामिल है, का विज़िटर से बात करने से पहले पहले का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाम में टूरिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी टूरिज्म सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेस्ड आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

नेट्टायम (एजेंसी)। केरल के नेट्टायम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनीतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हिंसा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टायम के मलमुकल इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है।

ओसीआई में ढील और मछुआरों की रिहाई से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आई मजबूती

-उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के दौरे के दौरान हुईं अहम घोषणाएं, प्रवासी भारतीयों को राहत और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हालिया दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इस दौरे को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार ने ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रीलंका में बसे प्रवासी भारतीयों की पांचवीं और छठी पीढ़ी को भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र माना जाएगा। पहले यह सुविधा केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित थी। इस बदलाव से हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है और भारतीय मूल के लोगों का अपने देश से जुड़ाव और मजबूत होगा।

इसके साथ ही ओसीआई कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब श्रीलंका सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, पुराने भारत-श्रीलंका पासपोर्ट और कोलंबो तथा कैंडी स्थित भारतीय मिशनों के रिकॉर्ड को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी होने की संभावना है। दौरे के दौरान भारत ने श्रीलंका सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को हाल ही में भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों में 47 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया है, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

मछुआरों के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से संवेदनशीलता बनी रही है। ऐसे में हालिया रिहाई को सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भी माना कि इस समस्या का स्थायी समाधान दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओसीआई नियमों में ढील और मानवीय मुद्दों पर सहयोग, दोनों ही कदम भारत-श्रीलंका संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। यह दौरा न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाता है।

मणिपुर में बम हमले में बच्चों की मौत के खिलाफ 5 दिनों का बंद, हिंसक प्रदर्शनों से घाटी में तनाव

मणिपुर (एजेंसी)। मणिपुर में हालिया हिंसा ने शांति प्रयासों को फिर से बड़ा झटका दे दिया है। बिष्णुपुर जिला में 7 अप्रैल को हुए दर्दनाक बम विस्फोट में दो मासूम बच्चों—एक पाँच साल के लड़के और पाँच महीने की बच्ची—की मौत के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया। इस घटना के विरोध में 19 अप्रैल से पाँच दिनों के पूर्ण बंद (टोटल शटडाउन) का आह्वान किया गया है, जिसने राज्य के घाटी क्षेत्रों में जनजीवन को करीब ठप कर दिया है। इस बंद का नेतृत्व 'मीरा पाइबी' (मशाल लेकर चल रही महिलाएँ) और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि हमले के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करे और पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय मिले। इसके साथ ही, उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय कथित कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग जोड़ी है। बंद के पहले दिन बाजार, स्कूल, सरकारी दफ्तर और परिवहन सेवाएँ बंद रहीं, जबकि केवल आवश्यक सेवाएँ ही सीमित रूप से चालू रहीं। इंफाल पूर्व जिला और इंफाल पश्चिम जिला सहित कई इलाकों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। रात के समय रैलियाँ आयोजित की गईं, जिनमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हालात तनावपूर्ण हो गए। काकचिंग जिला में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आँसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि असामाजिक तत्व शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में घुसपैठ कर उन्हें हिंसक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ उपद्रवी पेट्रोल बम, गुलेल और पत्थरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग नशे की हालत में हिंसा को भड़का रहे हैं। सुरक्षा बलों ने दावा किया है कि वे अधिकतम संयम बरतते हुए स्थिति को संभाल रहे हैं और नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। स्थिति की गंभीरता को देखकर संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि तनाव और न बढ़े। बंद 23 अप्रैल तक जारी रहने की घोषणा की गई है, और आयोजकों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हरियाणा से अखिलेश यादव ने दिया बड़ा सियासी संदेश, 2027 में सरकार बनाने का दावा

-कहा- बीजेपी की राजनीति और रणनीति फूट डालो और राज करो वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा और कांग्रेस उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने सीट बंटवारे के सवाल पर कहा कि उनके लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जीतने की क्षमता अहम है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जो उम्मीदवार जीत सकता है, उसे ही टिकट दिया जाएगा,'। सपा नेता अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीति 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर आधारित है। उनका कहना था कि पहले समाज में अविश्वास पैदा किया जाता है, फिर लोगों को अलग-अलग समूहों में बांटकर राजनीतिक लाभ उठाया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में भी उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ताधारी पार्टी राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी महिला मतदाताओं के बीच भी विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उनका मानना है कि महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हैं और महंगाई, सामाजिक दबाव और शोषण जैसे मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगी। अखिलेश यादव के इन बयानों को आगामी चुनावों की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कहा- सरकार डैमेज कंट्रोल में लगी

-परिसीमन को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार द्वारा जारी किए गए 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (फेक) पर तीखा हमला बोला है और इसे 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने यह फेक विधेयक पेश करने से पहले जारी नहीं किया, बल्कि संसद में असफलता मिलने के बाद इसे सामने लाया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल की रात लोकसभा में मिली ÷शर्मनाक हार÷ के बाद सरकार अब अपनी छवि बचाने में जुटी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी फेक 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'भ्रामक' जानकारी से भरा हुआ है। जयराम रमेश ने विशेष रूप से परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उनका कहना था कि फेक में उन महत्वपूर्ण सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है, जो संसद में विपक्ष ने उठाए थे।

गौरतलब है कि सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के माध्यम से 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा था। साथ ही लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रावधान भी इसमें शामिल था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि फेक में यह दावा किया गया है कि आरक्षण लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जरूरी है, जो पूरी तरह ÷फर्जी÷ और ÷भ्रामक÷ है। विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि सरकार महिला आरक्षण के बहाने परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है, जिससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रविवार रात कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और इसे चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं...गांधी, नेहरू और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार

-ओवैसी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को बताया जिम्मेवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रैली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मौलाना आजाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को विभाजन का दोषी बताना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी उन लोगों में शामिल नहीं थी, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीम' कहे जाने पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी द्वारा केवल 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर उठ रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमसी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब एआईएमआईएम के 11 सीटों पर लड़ने से समस्या क्यों हो रही है। ओवैसी ने विपक्षी दलों को चुनौती देकर कहा कि अगर वे सच में भाजपा को हराना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी रणनीति मजबूत करनी चाहिए और बहाने बनाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम है।

भीषण गर्मी के बीच 15 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, यूपी-बिहार में बढ़ा खतरा

-भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 15 राज्यों में आंधी, बिजली और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं कई इलाकों में भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर के राज्यों में आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। दूसरी ओर पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी दी गई है। नई दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रह सकता है। सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। अगले दिन भी मौसम में खास बदलाव की उम्मीद नहीं है।

उत्तर प्रदेश में हालात ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। प्रयागराज में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री, वाराणसी में 44.2 डिग्री और बांदा में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई जिलों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर और देवरिया समेत पूर्वी यूपी के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 अप्रैल को तेज हवाओं और आंधी की संभावना है। खासकर सीमांचल क्षेत्र में सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि गर्म हवाओं के चलते हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। जबकि पहाड़ी राज्यों में भी बदलाव के संकेत हैं। हिमाचल प्रदेश में 23 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत में मौसम सक्रिय

दक्षिण भारत में भी मौसम सक्रिय बना हुआ है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते मौसम के इस दौर में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। जहां एक ओर लू से बचाव जरूरी है, वहीं आंधी-तूफान के दौरान भी सावधानी बरतनी चाहिए।

अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं तो 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा

-कोर्ट ने कहा-रजिस्ट्री आपकी इसलिए स्वीकार नहीं होती क्योंकि आप खुद पैरवी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसके लिए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाई कोर्ट में पेश हुए और सीबीआई के लिखित जवाब को लेकर अपना रिजॉइंडर स्वीकार करने की गुजारिश की। कोर्ट ने केजरीवाल को प्रक्रिया की याद दिलाई पर उनके जवाब को स्वीकार कर लिया है और फैसले को दो घंटे के लिए टाल दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि आपने अनुमति दी थी मैम की रिजॉइंडर फाइल कर दो। रजिस्ट्री स्वीकार नहीं कर रही है। वह आदेश में नहीं आया। अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा। जज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बार बार ये नहीं बोलना चाहिए कि मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा, क्योंकि कोर्ट ने प्रक्रिया से बाहर जाकर आपका हलफनामा रिकॉर्ड पर लिया।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नियमों की याद दिलाते हुए कहा कि रजिस्ट्री आपकी याचिका इसलिए स्वीकार नहीं करती क्योंकि खुद आप अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसलिए आपको ही पेश होना पड़ेगा। रजिस्ट्री का एक नियम है और आपको फॉलो करना पड़ेगा। आपको पहले यहां से मंजूरी लेनी पड़ेगी। यह कोई असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।

अरविंद केजरीवाल ने सीबीआई की ओर से दाखिल जवाब के रिजॉइंडर में कहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अटकलों, डर फैलने वाले बयानों और अपमानजनक आरोपों का सहारा लिया लेकिन जस्टिस शर्मा के बच्चों के सरकारी पैनल में होने को लेकर पक्षपात के आरोपों पर कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले की सुनवाई केवल एक माननीय जज से करवाकर पूरी न्यायपालिका को बदनाम करना चाहती है। केजरीवाल ने सीबीआई के उन आरोपों का विरोध किया कि वह दबाव बनाना चाहते हैं और मामलों को लंबित रखना चाहते हैं और बदनाम करने के लिए कैंपेन चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने अपने रिजॉइंडर में कहा है कि सीबीआई ने खुद स्वीकार किया है कि केंद्र सरकार की कानूनी व्यवस्था और जस्टिस शर्मा के परिवार के बीच सक्रिय व्यावसायिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि खुद सीबीआई के मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैनल में निष्क्रिय नाम नहीं है बल्कि सरकार से कानूनी काम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने सीबीआई की उन दलीलों का भी विरोध किया कि जिसमें एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल की दलीलों के आधार पर तो सभी जज अयोग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि तथ्यों पर जवाब देने के बजाय सीबीआई ने कहा कि देश के सभी जज अयोग्य हो जाएंगे यह विवाद को बढ़ाने और पूरी न्यायपालिका को घसीटने की कोशिश है।

बारात से लौट रही तवेरा कार बिजली के खंभे से टकराई

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, 6 लोग बाल-बाल बचे, घटना से मचा हड़कंप, जुटी भीड़

स्मार्ट हलचल

कठूमर। थाना क्षेत्र के सौख रोड पर सोमवार देर रात एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब बारात से लौट रही एक तवेरा कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर के बाद 11 केवी विद्युत लाइन का तार टूटकर नीचे गिर गया, जिससे हुए शॉर्ट सर्किट के कारण कार में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते वाहन आग का गोला बन गया और कुछ ही देर में पूरी तरह जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही कि कार में सवार सभी छह लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई।

पुलिस के अनुसार कार चालक अनूप पुत्र राजवीर जाटव निवासी खेड़ा गरासिया थाना बयाना सहित छह लोग कठूमर क्षेत्र के कांकरोली गांव में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होकर देर रात अपने गांव लौट रहे थे। रात करीब एक बजे टीकरी और हुल्याना के बीच मोड़ पर स्थित स्वामी बाबा के आश्रम के पास वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऊपर से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिर गया। तारों से निकली चिंगारियों ने कार को अपनी चपेट में ले लिया और देखते ही देखते वाहन में भीषण आग भड़क उठी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही क्षणों में पूरी कार धू-धू कर जलने लगी।

जर्जर बिजली लाइनों पर उठे सवाल

इस घटना के बाद क्षेत्र में बिजली लाइनों और खंभों की स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर विद्युत लाइनें और खंभे जर्जर हालत में हैं, जिनकी समय पर मरम्मत नहीं होने से ऐसे हादसों की आशंका बनी रहती है।

सबकः सतर्कता और व्यवस्थाओं में सुधार जरूरी

यह हादसा भले ही बिना जनहानि के टल गया हो, लेकिन यह एक बड़ी चेतावनी है। सड़क सुरक्षा के साथ-साथ विद्युत व्यवस्था के रखरखाव में सुधार की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

घटना के तुरंत बाद कार में सवार सभी लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। यदि कुछ सेकंड की भी देरी होती तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी।

सूचना मिलते ही कठूमर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और खेरली से अग्निशमन वाहन को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड टीम ने पुलिस व ग्रामीणों के सहयोग से करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था।

हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए यातायात को सुचारू कराया।

तीन दिवसीय कलश स्थापना एवं यज्ञ महोत्सव, लगाई 90 हजार आहुतियां

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

आसन की बावड़ी (किशनपुरा) स्थित प्राचीन शिवालय और गुरुदेव की समाधि स्थल पर तीन दिवसीय कलश स्थापना एवं यज्ञ महोत्सव की गुरुवार को पुर्नाहुति होगी। दुसरे दिन यज्ञ में 90 हजार आहुतियां लगाई गई।

20 से 22 अप्रैल तक आयोजित त्रिदिवसीय महोत्सव के दुसरे दिन मंगलवार 21 अप्रैल को यज्ञाचार्य पंडित पवन कुमार व्यास द्वारा विधी विधान से कलश अधिवास करवाया गया तथा भगवान महादेव के अभिषेक के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बिच शिव शक्ति यज्ञ में 25 जोडो यजमानों द्वारा विष्णु सहस्त्रनाम और शिव सहस्त्रनाम की 45 - 45 हजार आहुतियां लगाई (प्रात 8 से सायं 5 बजे तक) तथा महोत्सव के अंतिम दिन 22 अप्रैल बुधवार को प्रातः 8.15 बजे अभिजित मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर कलश स्थापना के पश्चात 11.15 बजे तीन दिवसीय महोत्सव की पुर्णाहुति के साथ ही महाआरती होगी।वहीं सायं पांच बजे से महाप्रसादी एवं सायं 7.30 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा।

जैन संत लोकेश मुनि परीक्षित ऑपरेशन के दौरान बिगड़ी तबीयत

सीटी स्कैन में गांठ मिलने के बाद सर्जरी शुरू, ऑक्सीजन लेवल गिरने पर किया शिफ्ट

स्मार्ट हलचल

पुणे / भीलवाड़ा। जैन संत लोकेश मुनि परीक्षित की तबीयत ऑपरेशन के दौरान अचानक बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें तत्काल आईसीयू में भर्ती करना पड़ा।

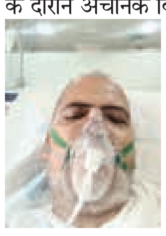

जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल को उनके सीने का सीटी स्कैन किया गया था, जिसमें कुछ गांठें पाई गईं। इनमें से एक गांठ निकालने के लिए 20 अप्रैल को ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान ऑक्सीजन लेवल कम हो जाने पर डॉक्टरों ने एहतियातन उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को सूचना दे दी है और वे पुणे पहुंच रहे हैं। आगे का उपचार परिजनों के आने के बाद डॉक्टरों की सलाह से तय किया जाएगा।

पंचायत समिति बनी, सुविधाएं नहीं: खजूरी में आधार सेंटर का अभाव, 17 किमी दूर शकरगढ़ के चक्कर

स्मार्ट हलचल | खजूरी

एक ओर खजूरी को नई पंचायत समिति का दर्जा मिल गया है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाओं का अभाव लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। सबसे बड़ी समस्या आधार सेंटर की है, जिसके अभाव में क्षेत्र के ग्रामीणों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी 17 किलोमीटर दूर शकरगढ़ जाना पड़ रहा है।

पंचायत समिति बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब प्रशासनिक सुविधाएं उनके नजदीक मिलेंगी, लेकिन हकीकत इसके उलट नजर आ रही है। आधार कार्ड से जुड़े कार्य–जैसे नाम संशोधन, मोबाइल नंबर अपडेट, या नए आधार बनवाना–के लिए लोगों को बार-बार शकरगढ़ के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि दूरी के साथ-साथ समय और खर्च भी बढ़ जाता है। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और मजदूर वर्ग के लिए यह समस्या और गंभीर हो जाती है। कई बार दिनभर का काम छोड़कर सिर्फ आधार संबंधित कार्य के लिए जाना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि खजूरी पंचायत समिति मुख्यालय पर जल्द से जल्द आधार सेंटर शुरू किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और पंचायत समिति बनने का वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंचे।

जनप्रतिनिधियों का भी मानना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो पंचायत समिति बनने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

लघु उद्योग भारती मनाएगी सेवा कार्य के रूप में स्थापना दिवस, लगाएगी विशाल चिकित्सा शिविर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राष्ट्र और उद्योग हित को समर्पित संगठन लघु उद्योग भारती द्वारा अपने स्थापना दिवस को सेवा कार्य के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इस उपलक्ष्य में भीलवाड़ा की तीनों इकाइयांकृ मुख्य इकाई, ग्रोथ सेंटर इकाई और महिला इकाई मिलकर एक वृहद चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन करने जा रही हैं। लघु उद्योग भारती मुख्य इकाई के अध्यक्ष शंभू काबरा ने बताया कि आगामी 25 अप्रैल, शनिवार को रीको ग्रोथ सेंटर, स्वरूपगंज स्थित श्री नाकोड़ा इंफ्रास्टील प्राइवेट लिमिटेड के परिसर में यह शिविर आयोजित होगा। कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए ग्रोथ सेंटर इकाई के अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल ने जानकारी दी कि शिविर का शुभारंभ प्रातः 9.15 बजे होगा, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों व आमजन को एक ही छत के नीचे विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं मिलेंगी।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर महिला इकाई की अध्यक्ष पल्लवी लढा ने बताया कि शिविर में बृजेश बांगड़ मेमोरियल हॉस्पिटल के तकनीकी सहयोग से बीपी, शुगर और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की जाएंगी, साथ ही नेत्र रोगों का परामर्श भी दिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, रामस्नेही चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा दंत रोगों की जांच कर उचित सलाह दी जाएगी। पूरे आयोजन के प्रबंधन को लेकर कार्यक्रम प्रभारी अंकित सूर्या ने बताया कि शिविर स्थल (आरसीएम से आगे, स्वरूपगंज) पर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों से इस निशुल्क शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। लघु उद्योग भारती, जो कि लघु उद्योगों का एकमात्र अखिल भारतीय संगठन है, इस आयोजन के माध्यम से औद्योगिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दे रहा है।

आयुष्मान आदर्श ग्राम शिवरती में दो दिवसीय आयुष कैंप का सफल आयोजन

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। क्षेत्र के शिवरती में 20 एवं 21 अप्रैल को दाता का बावजी सराय, शिवरती गढ़ के पास दो दिवसीय उपखंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

शिविर के प्रभारी डॉक्टर सतीश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दो दिनों में कुल 297 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें से 214 मरीजों को निशुल्क औषधियां वितरित की गईं। शिविर के दौरान उच्च रक्तचाप के 103, मधुमेह के 40 तथा हीमोग्लोबिन जांच के 30 मामले सामने आए, जिनका मौके पर ही उपचार व परामर्श दिया गया। इसके अलावा शुगर, मलेरिया, टाइफाइड, डेंगू, एचआईवी, प्रेगनेंसी टेस्ट सहित अन्य आवश्यक जांचें भी निशुल्क की गईं।

शिविर में योग को भी विशेष महत्व दिया गया, जिसमें 91 ग्रामीणों ने योग अभ्यास कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा गांव में स्वास्थ्य चेतना रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से तंबाकू मुक्त गांव का संदेश दिया गया और स्लोगन व पोस्टरों के जरिए ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महिला चिकित्सक डॉक्टर किस्मत कुमारी, डॉक्टर ओमप्रकाश बोहरा, डॉक्टर हरीश केडिया सहित नर्सिंग स्टाफ में मदनलाल तेली, कैलाश चंद्र सुथार (नर्सिंग ऑफिसर), श्रीमती राजू बारबर, प्यारचंद खटीक, अनिल लडड़ा, कीर्ति शर्मा, परिचारक सुरेश जीनगर, योग प्रशिक्षक पवन खटीक एवं महिला योग प्रशिक्षक प्रियंका व्यास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। शिविर के सफल आयोजन से ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी और उन्हें घर के नजदीक ही बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिला।

भीषण गर्मी में राहत की बूंद भीलवाड़ा में राहगीरों के लिए उमड़ा सेवा का जज्बा पिलाया केरी का पानी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान में इन दिनों सूरज के तीखे तेवर और भीषण लू ने आम जनजीवन को बेहाल कर रखा है ऐसे में मानवता की सेवा और लोगों को तपती धूप से राहत दिलाने के उद्देश्य से स्र्ष्ठ चौपदार प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशा अनुसार भीलवाड़ा के सूचना केंद्र चौराहे पर एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया । भीलवाड़ा कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा आयोजित इस पहल में हजारों राहगीरों को केरी का शर्बत पिलाकर गर्मी से राहत दी गई । कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष हमीद रंगरेज ने बताया कि वर्तमान में पड़ रही प्रचंड गर्मी को देखते हुए संगठन ने इस बार सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है सूचना केंद्र जैसे व्यस्ततम इलाके में कार्यकर्ताओं ने सुबह से ही मोर्चा संभाला और शुद्ध केरी का पानी तैयार कर आने जाने वाले वाहन चालकों श्रमिकों और आम जनता को वितरित किया।

आम जन को मिली लू से राहत

प्रोग्राम मे शिव राम जीपी खटीक कांग्रेस शहर भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष पूर्व पार्षद उस्मान पठान सबनम डायर प्रदेश महासचिव अल्पसंख्यक विभाग साहबुदीन शेख अली मंसूरी ताहिर पठान अरविंद मसीह गुड़वीन मसीह हारून रंगरेज़ शिव प्रकास गावरी सतवीर सिंह अजरुदिन शेख मोहसीन मंसूरी अकरम रंगरेज नफीस मुल्तानी हाजी उमर अली शेख असलम सोरगर हाजी मोहम्मद हुसैन अंसारी हाजी बबलू इमरान अंसारी आमीन पठान बाबू अंसारी मुस्ताक अली मंसूरी अब्बू मेवाफरोस सम्मा नियारगर गुलाम हुसैन छिपा कय्यूम सक्का यासीन गोसी भोला काजी इमरान मेवाफरोस सजाऊदीन नागौरी फिरोज शाह उमर दराज अशोक गावरी लारा लुहारआदि मौजूद थे।

भीषण गर्मी में राहगीरों को राहतः सिखवाल युवा प्रकोष्ठ ने शहर में शुरू की शीतल जल की प्याऊ

जल्द ही पक्षियों के लिए निशुल्क परिंडे और गौवंश के लिए पानी की टंकियां करेगा वितरित

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आमजन एवं राहगीरों को राहत प्रदान करने के लिए सिखवाल युवा प्रकोष्ठ, भीलवाड़ा ने एक सराहनीय पहल की है। प्रकोष्ठ द्वारा भामाशाहों के सहयोग से शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर शीतल जल की प्याऊ प्रारंभ की गई है। इस जनसेवा कार्य के तहत वर्तमान में कलेक्ट्री चौराहा, परशुराम सर्किल एवं अजमेर रोड पर प्याऊ लगाकर लोगों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

मीडिया प्रभारी विनोद सुखवाल ने बताया कि भीलवाड़ा में इन दिनों तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में प्यासे राहगीरों को पानी पिलाना एक अत्यंत पुण्य एवं मानवीय सेवा है। प्रकोष्ठ की इस पहल को आमजन का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है।

मूक प्राणियों के लिए भी चलाएंगे अभियानः

युवा प्रकोष्ठ ने इंसानों के साथ-साथ मूक प्राणियों की प्यास बुझाने का भी संकल्प लिया है। गर्मी में पक्षियों को होने वाली परेशानी के समाधान के लिए प्रकोष्ठ द्वारा जल्द ही शहर भर में निशुल्क परिंडे वितरित कर विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे। इसके अलावा, गौ सेवा के लिए भी एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत शहर में जगह-जगह निशुल्क पानी की टंकियां रखी जाएंगी, ताकि गौवंश को भी भीषण गर्मी में पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। प्रकोष्ठ ने बताया कि यह सेवा कार्य पूरे गर्मी के मौसम में निरंतर जारी रहेगा और अधिक स्थानों पर प्याऊ लगाने का प्रयास किया जाएगा।

इनके नेतृत्व में संचालित हो रहा सेवा कार्य

यह पुनीत कार्य युवा प्रकोष्ठ के संस्थापक सदस्य सागर पांडे, राजेन्द्र ओझा, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र ओझा, जिला प्रभारी रामदयाल पुरोहित, जिलाध्यक्ष देवकीशन जोशी, कार्यकारी अध्यक्ष किशन व्यास, शहर प्रभारी विनोद अज्ञाल, शहर अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा एवं अविनाश पांडिया के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए आमजन से भी इस सेवा कार्य में सहयोग की अपील की है।

जहाजपुर में विकास की नई सौगात

15 करोड़ के एलिवेटेड रोड व स्कूल कक्षों का 28 अप्रैल को होगा शिलान्यास

स्मार्ट हलचल | जहाजपुर,

नगर के बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों को आखिरकार हरी झंडी मिल गई है। चावंडिया चौराहा से नौ चौक तक लगभग एक किलोमीटर लंबे हाई लेवल एलिवेटेड रोड तथा राजकीय महाराणा उच्च माध्यमिक विद्यालय में नवनिर्मित कक्षा-कक्ष व डोम निर्माण कार्यों का शिलान्यास 28 अप्रैल 2026 को किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर सांसद दामोदर अग्रवाल एवं विधायक गोपीचंद मीणा संत-महात्माओं एवं आमजन की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत लगभग 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

नगर में लंबे समय से एलिवेटेड रोड की मांग की जा रही थी। चावंडिया चौराहा से नौ चौक तक बनने वाला यह मार्ग यातायात को सुगम बनाएगा और भारी वाहनों की आवाजाही भी आसानी से हो सकेगी। खासकर नौ चौक क्षेत्र के व्यापारियों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इसके साथ ही राजकीय महाराणा उच्च माध्यमिक विद्यालय में नए कक्षा-कक्ष एवं डोम निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी और विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण भी मजबूत होगा। इस अवसर को लेकर नगरवासियों और व्यापारियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। भाजपा नगर अध्यक्ष महेंद्र खटीक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिलान्यास कार्यक्रम क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

भीलवाड़ा में ST की जमीनो पर फर्जीवाड़ा और बेनामी खेल उजागर – हाईकोर्ट सख्त, प्रशासन कटघरे में

स्मार्ट हलचल | जोधपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने अनुसूचित जनजाति की भूमि से जुड़े बड़े फर्जीवाड़े और बेनामी संपत्ति घोटाले पर गंभीर रुख अपनाते हुए राज्य सरकार, प्रशासनिक अधिकारियों, प्रवर्तन निदेशालय,आयकर विभाग और संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

याचिकाकर्ता श्री नारायण लाल रेगर द्वारा दायर रिट याचिका में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने फर्जी पहचान और जाली दस्तावेजों के माध्यम से स' वर्ग की भूमि को बेनामी रूप से खरीदने का संगठित खेल रचा सबसे गंभीर आरोप यह है कि प्रताप सिंह राजपूत ने भीलवाड़ा शहर में कई बेशकीमती भूमियों को दिनेश मीणा के नाम से खरीदा, जो कि स्पष्ट रूप से बेनामी संपत्ति (Benami Transaction) का मामला है–जो कानून की खुली अवहेलना है। जबकि दिनेश मीना नाम का आदमी भौतिक रूप से मौजूद नहीं हे, प्रताप सिंह ने अपने रिश्तेदार बच्चू सिंह के नाम पर एक नया पन कार्ड बनाया ओर उसमें बच्चू सिंह राजपूत का नाम दिनेश मीना रख दिया, ओर करोड़ो रुपए की बेनामी संपतिया इस नाम से खरीद ली भीलवाड़ा में लंबे समय से ह्यष्ह्यह्ल की जमीनों को बेनामी नाम से खरीदने का धंधा कई वर्षों से चल रहा है। विदित हो कि भीलवाड़ा शहर में पूर्व में भी सुवाना इरास क्षेत्र में आयकर विभाग द्वारा करीब 40 बीघा जमीन बेनामी घोषित की गई

हे प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि:संबंधित विभागों को बार-बार शिकायत देने के बावजूद

कोई कार्रवाई नहीं की गई

जिससे प्रशासन की मौन सहमति या मिलीभगत पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं दिनांक 20.11.2025 को दी गई शिकायत आज तक लंबित है, जो प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न है।

हाईकोर्ट की दखल — न्याय की उम्मीद

इस संबंध में एडवोकेट कु लक्ष्मी, मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि

माननीय उच्च न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किया जाना इस पूरे मामले में न्याय की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अब संबंधित विभागों को जवाब देना होगा कि आखिरः

फर्जी पहचान कैसे बनी? एसटी भूमि का हस्तांतरण कैसे हुआ?

बेनामी सौदे पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यह केवल जमीन नहीं, अधिकारों की लड़ाई हैयह मामला केवल एक जमीन का नहीं बल्कि:अनुसूचित जाति जाति के संवैधानिक अधिकारों,कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही की सीधी लड़ाई है।

यदि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह समाज में अराजकता और अन्याय को बढ़ावा देगा। मांग बेनामी संपत्ति की जांच श्वष्ठ/ढ्ढठ्ठष्श्वद्दद्ग 'ड्ड× द्वारा कराई जाए

संबंधित अधिकारियों की भूमिका की स्वतंत्र जांच हो एससी-एसटी भूमि की सुरक्षा हेतु सख्त नीति लागू की जाए ओर प्रार्थी को आयकर विभाग के नियमानुसार जो पारितोषिक बनता हो वह दिलाया जाए विदित हो कि इसी जमीन पर नामांतरण खुलवाने के बदले में राशि मांगने का आरोप लगाकर प्रताप सिंह राजपुत ने तत्कालीन पांसल सरपंच की एसीबी में शिकायत की थी जिस पर पटवारी को 4 वर्ष की सजा हुई थी, प्रताप सिंह राजपूत का नाम पूर्व में राजनीतिक पार्टियों के चंदे की फर्जी रसीदो के आयकर विभाग के प्रकरन में भी आ चुका है।

45 साल का इंतज़ार: मोखुंदा के सरकारी भवन अब भी 'कब्जे' में कैद

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

रायपुर क्षेत्र के छोटे से गांव मोखुंदा में समय जैसे ठहर सा गया है। यहां के लोग आज भी उन सरकारी भवनों के 'आजाद' होने का इंतजार कर रहे हैं, जो करीब 45 साल पहले गांव की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए थे।

कहानी शुरू होती है साल 1980 से, जब तत्कालीन सरपंच बादर मल जैन ने गांव के विकास के लिए स्थानीय निवासी शंकर लाल कलाल से 18 बिस्वा जमीन खरीदी। इस जमीन पर पशु चिकित्सालय, आंगनवाड़ी केंद्र और लेडीज डॉक्टर क्वार्टर जैसे जरूरी भवन बनाए गए। लाखों रुपए खर्च कर तैयार की गई ये सुविधाएं गांव के उज्ज्वल भविष्य की नींव थीं।

लेकिन वक्त के साथ यह सपना धुंधला पड़ गया। धीरे-धीरे इन सरकारी भवनों पर

कब्जा हो गया और आज हालात यह हैं कि जिन जगहों पर कभी गांव के विकास की योजनाएं चलती थीं, वहां अब निजी कब्जा

कायम है।

गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि वर्षों से यह मामला कागजों और अदालतों के बीच उलझा हुआ है। 2002 में भी इस जमीन से जुड़े दस्तावेज निकाले गए, जिससे साफ हुआ कि यह भूमि ग्राम पंचायत की खरीदी हुई है। बावजूद इसके, कब्जा हटाने की कार्रवाई कभी मुकम्मल नहीं हो पाई।

सीमा विवाद और लंबी कानूनी प्रक्रिया ने इस मामले को और उलझा दिया। तारीख पर तारीख के बीच, सरकारी संपत्तियां अपनी असली पहचान वापस पाने का इंतजार कर रही हैं।

हालांकि, उम्मीद की एक किरण जरूर दिखाई देती है। वर्तमान सरपंच इंद्रा देवी रैगर के प्रयासों से 1981 के पुराने दस्तावेज फिर से सामने आए हैं, जो पंचायत के दावे को मजबूत करते हैं। गांव के लोगों के मन में अब एक ही सवाल है।

क्या ये सरकारी भवन फिर से जनता के काम आएंगे, या यह कहानी भी कागजों में ही दबकर रह जाएगी?

मीडिया प्रभारी मोहम्मद अशरफ रंगरेज मोखुंदा ने बताया कि मोखुंदा की यह कहानी सिर्फ एक गांव की नहीं, बल्कि उन तमाम जगहों की है जहां विकास की योजनाएं कागजों पर बनती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत बनने के लिए सालों इंतजार करना पड़ता है।

आरएएस में 54 वी रैंक में चयन पर विनोद चौधरी ने लिया पूर्व राज्यमंत्री जाड़ावत से आशीर्वाद

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

चित्तौड़गढ़। कद्दावर कोंग्रेस नेता व राजस्थान सरकार के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत से आरएएस में 54 वी रैंक में चयन विनोद चौधरी ने आशीर्वाद लिया जिस पर उन्होंने मुंह मीठा कराकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

विनोद चौधरी ने बताया कि वह वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता शंभुलाल जाट सादी वाले के भतीजे एवं सीताराम चौधरी के पुत्र तहसील बस्सी के निवासी है। पूर्व राज्यमंत्री से उन्हें प्रेरणा मिलती रही एवं मेरे 54 वी रैंक में चयन के बाद मेरे पिताजी के बाद दूसरा कॉल पूर्व राज्यमंत्री को किया। आरएएस में 54 वी रैंक में चयन के मौके पर अन्य कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुतकपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 23 को, बैठक में बनी रुपरेखा

स्मार्ट हलचल

हिंडौन। रक्त क्रांति फाउंडेशन एवं युवा कमेटी कुतकपुर के तत्वावधान में दिनांक 23 अप्रैल को कुतकपुर गांव में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित होगा। शिविर की तैयारियों को लेकर बैठक हुई, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने पर चर्चा की गई।

उपस्थित सदस्यों ने लोगों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील की इस मौके पर सारून खान, अबरार खान, शाहरुख खान, अजहर काजी, अलाउद्दीन खान, आरिफ खान, दिनेश मीना, जीशान खान, अमान खान, आबिद खान, फैजान पठान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने इस सामाजिक कार्य को सफल बनाने का संकल्प लिया है।

राष्ट्रीय स्कूली क्रिकेट में माया जाट को बड़ी जिम्मेदारी, बनीं राजस्थान टीम की कोच

स्मार्ट हलचल

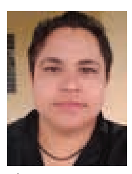

भीलवाड़ा। जिले के लिए गर्व की बात है कि माया जाट को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें लगातार चौथी बार राजस्थान अंडर-17 गर्ल्स क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया है। हरियाणा के रोहतक में 27 अप्रैल से 3 मई 2026 तक आयोजित होने वाले एसजीएफआई टूर्नामेंट में माया जाट टीम का मार्गदर्शन करेंगी। उनके सानिध्य में राजस्थान टीम पूर्व में राष्ट्रीय स्तर पर दो बार पदक जीत चुकी है। माया जाट वर्तमान में शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं और प्रदेश की एकमात्र महिला क्रिकेट कोच मानी जाती हैं। खुद भी राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी जाट ने कई खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया है। भीलवाड़ा जिले के छोटे से गांव हलेड़ की निवासी माया जाट किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी इस उपलब्धि से जिले में हर्ष का माहौल है।

पत्रकार संघ में बड़ा एक्शन

राजसमंद इकाई भंग, अध्यक्ष व महासचिव निष्कासित

सदस्यता भी तत्काल समाप्त

स्मार्ट हलचल | राजसमंद/ भीलवाड़ा

भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) में संगठनात्मक अनुशासन को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश अध्यक्ष कमल कुमार झोटा ने जिला राजसमंद इकाई की पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी है। इसके साथ ही जिला अध्यक्ष विनोद पालीवाल (खमनौर) और महासचिव गणेश कुमावत (नाथद्वारा) को अनुशासनहीनता के आरोप में उनके पदों से निष्कासित करते हुए सदस्यता भी 20 अप्रैल 2026 से तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि दोनों पदाधिकारियों का अब संगठन से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं रहेगा और उनके सभी अधिकार भी समाप्त कर दिए गए हैं।

सड़कों पर हादसों की रोकथाम के लिए प्रभावी प्रयासों- जनागल

स्मार्ट हलचल | सी पी गोयल

बारां। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिले के सभी मार्गों पर सुगम आवागमन के साथ सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण को लेकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

एडीएम जनागल ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि जिले में सड़क हादसों पर नियंत्रण के लिए सभी संबंधित विभाग नियमित रूप से सड़कों की मॉनिटरिंग करते हुए दुर्घटना के संभावित कारणों का त्वरितता के साथ निराकरण करें। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के साथ गड्ढ़ों को भरने का काम प्राथमिकता से हो। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना के लिए प्रेरित करें। उन्होंने जिले से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर वाहनों की अनाधिकृत पार्किंग को हटाने, व्हाइट लाइनिंग करने, रानीबड़ौद में पुलिस थाने के सामने डिवाइडर के ऊपर से वाहन गुजरने पर रोकथाम के निर्देश भी दिए। बैठक में शाहबाद में वन क्षेत्र से गुजर रहे हाइवे पर वाइल्ड लाइफ जोन के संकेतक बोर्ड लगाने, भूसा वाहनों से दुर्घटनाओं के बचाव आदि के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, सदस्य सचिव अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी हुकमचंद मीणा, शाहबाद सार्वजनिक निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता बसंतकुमार गुप्ता,जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा, आयुक्त नगर परिषद भुवनेश मीणा सहित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग, वन विभाग, यातायात पुलिस आदि विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सूरौठ की शिव कॉलोनी में 8 दिन से चल रही पानी की समस्या

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

कस्बे की शिव कॉलोनी में पिछले 8 दिन से चल रही पानी की समस्या को लेकर मंगलवार को लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया तथा जलदाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने जिला कलेक्टर एवं जलदाय विभाग के अभियंताओं से पेयजल समस्या का अबिलंब समाधान करवाने की मांग की है। शिव कॉलोनी निवासी लोकेश नापित, प्रेम मीणा, पूरन जांगिड़, घमंडी कोली, मुकेश कोली, महेंद्र कोली, बद्री शर्मा, भरोसी कोली, मनोहरी मीणा सहित काफी लोगों ने बताया कि शिव कॉलोनी में पिछले 8 दिन से पेयजल समस्या चल रही है। उनके घरों में लगे हुए नलों में 8 दिन से पानी नहीं आ रहा है। जिसके कारण लोगों को गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि इस बारे में विभागीय अधिकारियों को भी अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है जिससे लोगों मे रोष व्याप्त है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पेयजल समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सेन्दड़ा के पूर्व सूबेदार मजीद कुरैशी हज के लिए रवाना

स्मार्ट हलचल

ब्यावर सेन्दड़ा। मजहबी अकीदत और वतन परस्ती का एक अनूठा मंजर मंगलवार को सेन्दड़ा ग्राम पंचायत में देखने को मिला। भारतीय थल सेना में 28 वर्षों तक दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाले सेवानिवृत्त सूबेदार अब्दुल मजीद कुरैशी अब अपनी पत्नी जमीला बानो के साथ खुदा के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए हज यात्रा पर रवाना हुए। मंगलवार सुबह जैसे ही मजीद कुरैशी अपने निवास से रवाना हुए, पूरे गांव ने पलक-पावड़े बिछाकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें मालाओं से लाद दिया और साफा पहनाकर उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। यह विदाई केवल एक धार्मिक यात्रा की रवानगी नहीं,

बल्कि एक फौजी के प्रति पूरे क्षेत्र का आभार थी।सूबेदार मजीद कुरैशी ने अपने जीवन के 28 बेशकीमती साल भारतीय सेना को दिए। ग्रामीणों ने गर्व के साथ कहा: 'हमारे लिए यह दोहरी खुशी का मौका है कि जिस जांबाज ने सालों तक मुल्क की हिफाजत की, आज वह उसी मुल्क में अमन-चैन की दुआ मांगने मक्का-मदीना जा रहे हैं।'

सतवाड़ा गांव में 23 अप्रैल को बाबा रामदेव जी की मूर्ति स्थापना महोत्सव

स्मार्ट हलचल

टोंक। देवली उपखंड क्षेत्र के सतवाड़ा ग्राम में बैरवा समाज द्वारा निर्मित भव्य मंदिर में 23 अप्रैल 2026 को श्री बाबा रामदेव (रुणीचा श्याम) की मूर्ति स्थापना महोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विशाल जनसमूह के उमड़ने की संभावना है तथा श्रद्धालु बाबा की महाप्रसादी ग्रहण करेंगे।

समिति के बनवारी लाल बैरवा (ग्राम विकास अधिकारी) ने बताया कि समस्त बैरवा समाज सतवाड़ा के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है। मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत 22 अप्रैल को विशाल कलश यात्रा एवं रात्रि सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 23 अप्रैल को श्री बाबा रामदेव रुणीचा श्याम की ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली जाएगी।मूर्ति स्थापना विधि-विधान, हवन एवं मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगी। इस अवसर पर भंडारा एवं महाप्रसादी का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से बाबा के भक्त, समाजबंधु एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

अक्षय तृतीया पर घाणावार तेली समाज का भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न, कांग्रेसजनों ने वर-वधुओं को दिया आशीर्वाद

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

अक्षय तृतीया के पावन एवं शुभ अवसर पर श्री घाणावार तेली समाज रानीखेड़ा द्वारा शिव कॉलोनी, बाड़ी दरवाज़ा स्थित शिव मंदिर परिसर में उद्यापन, तुलसी विवाह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य एवं गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता एवं भारतीय वैवाहिक परंपराओं से ओतप्रोत इस आयोजन में समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से उनके प्रतिनिधि के रूप में चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे। उन्होंने नवविवाहित युगलों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

इस अवसर पर निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम झंवर, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष भोपराज टांक, नगर कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, जिला फुटबॉल संघ कोषाध्यक्ष मनोज पारख एवं राजीव गांधी पंचायती राज संगठन प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष रोमी पोरवाल, पूर्व पार्षद मानक साहू, डॉ. गोविंद वैष्णव, राजेश अस्तौलिया, अनिल कुमावत, ग्राम सेवा सहकारी समिति उपाध्यक्ष शौकीन तेली, देवीलाल तेली, विजय आंजना, राधेश्याम पामना, ऊंकार लाल सुथार, मदन मगरुंडिया, पंकज कुमावत, अनिल प्रजापत, यश तेली, सुनील आंजना, राहुल पुरबिया, अर्जुन धाकड़, अक्षय कुमावत, पिंटू आंजना, मनीष गर्ग, अभिषेक आंजना, आर्यन कुमावत, पन्नालाल कुमावत, कारू कुमावत बाड़ी, अंकित तेली, सुरेश तेली, शंभू तेली, पप्पू रैगर एवं सोनू तेली सहित अन्य कांग्रेसजन भी मौजूद रहे।

सभी अतिथियों ने समाज द्वारा आयोजित इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामूहिक विवाह सम्मेलन सामाजिक एकता, पारस्परिक सहयोग एवं सादगीपूर्ण विवाह की परंपरा को सशक्त बनाते हैं तथा समाज में भाईचारे और संस्कारों को भी सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच वर-वधुओं ने वैवाहिक सूत्र में बंधकर अपने नए जीवन की मंगलमय शुरुआत की। पूरे आयोजन में हर्ष, उल्लास और श्रद्धा का वातावरण व्याप्त रहा।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों के विवाह मण्डप स्थल, शिव कॉलोनी मल्ला रोड रानीखेड़ा पहुंचने पर सत्यनारायण अस्तौलिया, सत्यनारायण नैणावा, राजेश अस्तौलिया, शौकीन मगरुंडिया, ऊंकारलाल दीया, पप्पूलाल दीया, बद्रीलाल नैणावा, रवींद्र नैणावा, शांतिलाल मगरुंडिया, बंशीलाल साहू, घीसालाल नैणावा, राधेश्याम दीया, शिवम नैणावा, सोहन मगरुंडिया, दिनेश साहू, कमलेश बनवार, देवीलाल नैणावा एवं दिनेश मगरुंडिया सहित समाजजनों ने अतिथियों का केसरिया उपर्णा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय काश्या में विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। तालुका विधिक सेवा समिति बिजौलिया द्वारा राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा के आदेशानुसार transformative Tuesday plan के तहत तथा तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेट सबा परवीन कागजी के निर्देश पर पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय काश्या में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एडवोकेट सुनील कुमार जोशी ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं इसीलिए विद्यार्थियों को इसके प्रति जागरूक

रहना अत्यंत आवश्यक है उन्होंने साइबर अपराध के विभिन्न प्रकार जैसे ऑनलाइन फ्रॉड फिनिशिंग, हैकिंग, साइबर, बुलीग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपाय भी बताएं साथ ही विद्यार्थियों को यह भी बताया गया की किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या अपराध होने पर तुरंत पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए।

कार्यक्रम में एडवोकेट दीपक मीणा, अंजली नायक गोपाललाल पाराशर, सीबीईओ मालीराम यादव, प्रधानाचार्य अशोक कुमार मीणा, प्रधानाचार्य डॉ. प्रभुलाल वर्मा, प्राध्यापक लोकेश कुमार मीणा, वरिष्ठ अध्यापक भरतराज मेघवाल, वरिष्ठ अध्यापक अंकित मीणा शारीरिक शिक्षक जाकिर हुसैन नीलगर, अध्यापक लाडसिँह मीणा, मुनिदत्त सिंह चौहान, ओमप्रकाश प्रजापत, कैलाश धाकड़, विनोद धाकड़, रतन रेगर अंकित उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा मजबूत पासवर्ड बनाने ओटीपी साजा करने एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए जिसमें कुल 300 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा अंत में विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक एव जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया गया।

मोबाइल स्मार्ट है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है कि उपयोगकर्ता स्मार्ट हो: जैन

महात्मा गांधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन में 'साइबर क्राइम एवं विद्यार्थियों के अधिकार एवं कर्तव्य' पर संगोष्ठी का आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान में शिक्षा और कानूनी जागरूकता को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक अभियान Transformative Tuesdays Navigating Life Legally के तहत प्रदेशभर के स्कूलों में एक साथ साइबर सुरक्षा का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत अभय जैन अध्यक्ष, एवं विशाल भार्गव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मध्यस्थ सदस्यों द्वारा भीलवाडा शहर के विभिन्न विद्यालयों में साईबर क्राईम विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित कर उपस्थित विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा का पाठ पढाया। महात्मा गांधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन, भीलवाड़ा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा के तत्वावधान में एक विधिक साक्षरता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय 'साइबर क्राइम एवं विद्यार्थियों के अधिकार एवं कर्तव्य' रहा। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मध्यस्थ विशेषज्ञ अशोक जैन, एडवोकेट ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम

से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में इंटरनेट का उपयोग करते समय सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। अनजान लिंक, फर्जी मैसेज एवं ओटीपी साझा करने जैसी छोटी-छोटी लापरवाहियां गंभीर आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान का कारण बन सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार जैसे अकाउंट हैकिंग, फेक आईडी, साइबर बुलिंग एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से समझाया तथा बताया कि ऐसे अपराध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनिय भारतीय दंड संहिता एवं पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय हैं। विद्यार्थियों को यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर समस्या होने पर वे 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या www-cybercrime-gov-in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं तथा अपने माता-पिता एवं शिक्षकों को तुरंत सूचित करें। जैन ने विद्यार्थियों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी देते हुए सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, गोपनीयता की रक्षा एवं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 'मोबाइल स्मार्ट है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है कि उपयोगकर्ता स्मार्ट हो। सावधानी ही साइबर सुरक्षा है।' इस प्रकार के विधिक जागरूकता कार्यक्रम अनेक विद्यालयों में संचालित किए गये हैं इसमें शांतिलाल जैन, प्रहलाद राय व्यास, कुणाल ओझा आदि का योगदान रहा। कार्यक्रम में रवि वशिष्ठ (प्रधानाचार्य), सुनील राय पोरवाल (व्याख्याता), सौरभ गौड़ (व्याख्याता) सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सजग बनाना रहा। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता सुनील राय पोरवाल ने किया।

मोटरसाइकिल सवार 500 ग्राम अफीम तस्करी करते गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। जिले की निम्बाहेड़ा सदर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार के कब्जे से 500 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर उसे गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि महानिरीक्षक रेन्ज उदयपुर द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी सरिता सिंह के मार्गदर्शन व डीएसपी निंबाहेड़ा बद्रीलाल राव के सुपरविजन मे थानाधिकारी संजय शर्मा द्वारा एसआई सुरेश पालीवाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाने के सामने वण्डर पुलिया के पास हाईवे रोड पर नाकाबन्दी की जा रही थी। इसी दौरान नीमच की तरफ से एक मोटर साइकल पर आए व्यक्ति ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। जिसे जाप्ते की सहायता से पकड़ा गया पूछताछ करने पर उसने अपना नाममहेन्द्र गुर्जर (27) पिता हरीराम गुर्जर निवासी किशनपुरा थाना पुष्कर जिला अजमेर होना बताया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर बाइक के साईड में लगे बेग में प्लास्टिक की थैली में 500 ग्राम अवैध अफीम मिली। जिसे मोटरसाइकिल सहित जब्त कर महेन्द्र गुर्जर को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में एसआई सुरेश पालीवाल, के नेतृत्व में एएसआई सुन्दरपाल, हेड कांस्टेबल महावीर सिंह, कांस्टेबल जीवनलाल, ओपीलाराम, शिवकुमार और धर्मचन्द शामिल रहे। पुलिस द्वारा अवैध अफीम के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

विपक्ष के विरोध से नहीं थमेगा महिला सशक्तिकरण - श्रीचंद कृपलानी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भाजपा का पलटवार, महिलाओं को अधिकार दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराई

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

भारतीय जनता पार्टी जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा जिला भाजपा कार्यालय ओछड़ी में पत्रकार वार्ता आयोजित कर महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष पर तीखा प्रहार किया गया। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संसद में पारित नहीं हो पाने पर भाजपा नेताओं ने विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को शीघ्र लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया का इंतजार किया जाता, तो महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ वर्ष 2029 के बाद ही मिल पाता, जबकि सरकार की मंशा इसे जल्द लागू करने की रही है।

परिसीमन प्रक्रिया को बताया आवश्यक

कृपलानी ने परिसीमन की व्याख्या करते हुए बताया कि यह निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1976 में देश की जनसंख्या करीब 54 करोड़ थी और लोकसभा सीटें 550 थीं, जबकि वर्तमान में जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक

हो चुकी है। ऐसे में प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए सीटों में वृद्धि आवश्यक है। उन्होंने दक्षिण भारत के राज्यों द्वारा उठाए जा रहे सवालों को खारिज करते हुए कहा कि सीटों में समान वृद्धि से किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा, बल्कि बेहतर होगा। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भी सीटों में वृद्धि प्रस्तावित है।

महिलाओं को अधिकार दिलाने का संकल्प

कृपलानी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते इसे पारित नहीं किया जा सका। इसके बावजूद केंद्र सरकार इसे लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने कहा कि यह अधिनियम केवल कानून नहीं बल्कि मातृशक्ति को समान अधिकार देने का मजबूत संकल्प है। उन्होंने विपक्ष पर महिलाओं के हितों के खिलाफ खड़े होने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा हर हाल में महिलाओं को उनका अधिकार दिलाकर रहेगी।

भाजपा ने विपक्ष पर साधा निशाना

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध कर उन्होंने महिलाओं के प्रति अपनी संकीर्ण मानसिकता को उजागर किया है। उन्होंने दोहराया कि भाजपा की प्रतिबद्धता स्पष्ट है–नारी सम्मान, नारी सुरक्षा और नारी स्वाभिमान पर कोई समझौता नहीं होगा।

ये रहे मौजूद

पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी, जिला महामंत्री रघु शर्मा, हर्षवर्धन सिंह रूद, कैलाश मंत्री, सागर सोनी, मनोज पारीक, गौरव त्यागी, हीरालाल रायका, अशोक जाट, नंद किशोर लोहार, आशीष शर्मा, देवकरण समदानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री पिप्पलेश्वर महादेव मंदिर में सहस्रघट महारुद्राभिषेक व भजन संध्या का आयोजन

स्मार्ट हलचल | कोटा

महावीर नगर तृतीय,कंपटीशन कॉलोनी स्थित श्री पिप्पलेश्वर महादेव मंदिर समिति एवं दिवाथर्व विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अष्ठम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव (पाटोत्सव) के अवसर पर 'सहस्रघट महारुद्राभिषेक' का आयोजन किया गया। इस पावन अनुष्ठान में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और महादेव के जयकारों के साथ बारी-बारी से श्रृंखला बनाकर सहस्रघट महारुद्राभिषेक को सम्पन्न करते रहे।

मंदिर समिति के अध्यक्ष भारतभूषण अरोड़ा ने बताया कि वृंदावनधाम से पधारे महंत श्री रघुनाथदास महाराज (महंत, श्री राममंदिर, वृंदावन) एवं संत श्यामाचरण जी महाराज, वृंदावनधाम के सान्निध्य में आचार्य त्रिलोक शर्मा के नेतृत्व में 11 विद्वान पंडितों ने सहस्रघट महारुद्राभिषेक सम्पन्न कराया।

महंत श्री रघुनाथदास महाराज एवं संत श्यामाचरण जी महाराज ने बताया कि यह महारुद्राभिषेक विश्व कल्याण के हितार्थ आयोजित किया गया। सर्वप्रथम शिवपंचायत का विधिवत पूजन किया गया, तत्पश्चात अभिषेक के जल को समस्त तीर्थों के जल, जटामांसी, उशीर एवं विभिन्न फलों के रस से सुसज्जित कर सहस्रघट महारुद्राभिषेक प्रारंभ किया गया।

1008 छिद्रों वाली जलेरी से हुआ महारुद्राभिषेक

महामंत्री जागेश्वर पाल गौड़ ने बताया कि प्रातः 11 बजे विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ सहस्रघट महारुद्राभिषेक का शुभारंभ हुआ। शिव परिवार के पूजन के उपरांत 1008 छिद्रों वाली जलेरी में शुद्ध

जल भरकर निरंतर सहस्रबार अभिषेक किया गया। इस अनुष्ठान में बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों ने कतार बनाकर घट-पूजन स्थल तक जल पहुँचाया और घंटों तक इस पुण्य-कार्य में सहभागी बने। अंत में उपस्थित जनसमुदाय ने सामूहिक महाआरती में भाग लिया।

भजनों की बयार में झूमे श्रद्धालु

कोषाध्यक्ष कुलदीप माहेश्वरी ने बताया कि सायंकाल श्री पिप्पलेश्वर वाटिका में भजन गायिका आरुषी गंभीर ने रसमय भजनों की सरिता प्रवाहित की। 'श्याम सलोना रूप है तेरा, घुंघराले हैं बाल', 'तू न संभाले तो कौन संभाले', 'श्यामा सुंदर मदन मोहन बाँसुरीवाले', 'मेरा सोया भाग जगा दे', 'हे श्यामा मोहे श्याम से मिला दे', 'श्यामा प्यारी भानु दुलारी, सुन लो मेरी पुकार' तथा 'आ जा साँवरे, मैं गिरधर की, गिरधर मेरे' जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया और वे थिरकने पर विवश हो गए। मंदिर परिसर में राधा-कृष्ण की सुंदर झाँकी भी सजाई गई, जिसने समारोह की आध्यात्मिक छटा को और अधिक मनोरम बना दिया।

सांवलिया सेठ के भंडार से निकले 31 करोड़ 1 लाख

मण्डफिया। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 16 अप्रेल चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंगलवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थति में चौथे चरण में हुई।

सांवलिया सेठ के भंडार से चौथे चरण में 3 करोड़ 78 लाख 77 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई भंडार गिनती से 27 करोड़ 22 लाख 86 हजार रुपए की नगद प्राप्त हुए थे। चारों चरणों को मिलाकर 31 करोड़ 01 लाख 63 हजार नगद प्राप्त हुए। पांचवें चरण की गिनती बुधवार को होगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

भान फोर्ट रिसोर्ट में महामंगलकारी अनुष्ठान के साथ हुए 52 वर्षितय तपस्वियों के पारणे

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। जैन समाज का अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव सोमवार को रिठोला स्थित भान फोर्ट रिसोर्ट में महामंगलकारी अनुष्ठान के साथ हर्षोल्लास से हुआ। अनुष्ठान आराधिका साध्वी डॉ. कुमुदलता की प्रेरणा से उनके व श्रमण संघ उपप्रवर्तनी श्री मंजुल ज्योति जी, जैन सिद्धांताचार्य प्रतिभा श्रीजी व शीतलजी सहित 15 साध्वियों के सानिध्य में एक साथ 52 तपस्वियों का बहुमान कर सामूहिक पारणा करवाया गया। लाभार्थी भदेसर की पूर्व प्रधान सुशीला कंवर चंद्रभानसिंह आक्या विधायक के साथ सभी तपस्वियों का अभिनंदन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण 108 नन्हें बच्चों का श्रेयांश कुमार का रूप धारण करना रहा, जिन्होंने सभी तपस्वियों का पारणा करवाया, जो वास्तव में श्रद्धा, संयम और भक्ति का अद्भुत संगम रहा।

इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे। सभी का विधायक आक्या एवं पूर्व प्रधान सुशीला कंवर ने आभार प्रकट किया। विधायक आक्या ने कहा पारणा महोत्सव में सपत्नीक सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा संगीतमय वातावरण में तपस्वियों का स्वागत एवं इक्षु रस से पारणा का भावपूर्ण दृश्य मन को गहराई तक छू गया, मानो श्रद्धा की हर बूंद में आत्मशुद्धि का संदेश समाहित हो। विधायक आक्या ने कहा इस पुण्य आयोजन में उपस्थित होकर आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ।

धरती माता बचाओ अभियान के अंतर्गत उपखंड स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'धरती माता बचाओ अभियान' के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज पंचायत समिति सभागार सुवाणा में उपखंड स्तरीय निगरानी समिति की बैठक अरुण कुमार जैन उपखण्ड अधिकारी सुवाणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी अरुण कुमार जैन ने कहा कि कृषकों को भूमि में उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं अनुदानित उर्वरकों का औद्योगिक प्रयोग राज्य से बाहर परिगमन रोकने के उद्देश्य से कृषकों को जागरूक किया जाना आवश्यक है,उन्होंने कहा कि अनुदानित उर्वरकों का गैर कृषि कार्यों में उपयोग रोकने प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती या कार्बनिक खेती में डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट या एनपी के उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों को कम करने हरी खाद को बढ़ावा देने पर जोर दिया।बैठक में कृषि विभाग

द्वारा संचालित अभियान के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उपखंड अधिकारी ने कहा कि किसानों को अपने स्वयं के उपयोग हेतु जैविक खेती एवं सब्जी के लिए गृह वाटिका लगाने का सुझाव दिया,इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयोग एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया।उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में गठित निगरानी समितियों के माध्यम से अभियान की प्रगति पर सतत निगरानी रखें तथा समय-समय पर समीक्षा बैठक आयोजित करें।

विकास अधिकारी जितेन्द्र कुमार गुरनानी ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा नियमित रूप से कृषक गोष्ठियों,प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाये जिससे किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग,कीट प्रबंधन तथा मृदा संरक्षण की जानकारी मिल सके कृषि अधिकारी कजोड़ मल गुर्जर ने कहा कि ग्राम स्तर तक किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा 'आपणो खेत-आपणी खाद' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद (ढैंचा) एवं जीवामृत के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।अंत में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण एवं टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की गई,इस अवसर पर कृषि आदान संघ के शांतिलाल,सहकारी समिति से प्रकाश सुथार,शरद कुमार अग्रवाल साइन कृषि अधिकारी प्रहलाद राय सारस्वत संगीता महारानियां श्यामलाल तंबोली सहित अनेक समिति सदस्य व कृषि आदान विक्रेता मौजूद थे।

बानोडा बालाजी धाम में जांगिड़ ब्राह्मण सुथार समाज के 14 नवविवाहित जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र में स्थित बानोडा बालाजी धाम पर मंगलवार को बेगूं जांगिड़ ब्राह्मण सुथार समाज के चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन में 14 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। आयोजन जांगिड़ समाज द्वारा आयोजित किया गया जिसमें समाज के कई पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। आयोजन जांगिड़ समाज के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसमें समाज के लोग एकत्रित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। इस अवसर पर समाज द्वारा 14 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की है। धार्मिक स्थलों पर समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह जैसे आयोजन केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज में समरसता, सहयोग और संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष कैलाशचन्द्र ने बताया की आज के इस आयोजन में तुलसी विवाह सहित समाज के 14 जोड़ों का पूर्ण विधि विधान के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में सम्मेलन कमेटी अध्यक्ष कैलाश चन्द्र (पाड़ावास), मदन लाल बेगूँ (शादी), कुकालाल (पाडावास) सुरेशचन्द्र (झाँतला) महावीर (नन्दवाई), गोपाल (पाड़ावास), जगदीशचन्द्र (लाड़पुरा), मोहन्साल (शादी), दीपक (बेगूं), नन्दकिशोर (नन्दवाई) एवं समस्त जांगिड़ ब्राह्मण (सुधार) समाज सहित कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

नगरफोर्ट थाना फिर विवादों में: जांच अधिकारी की कार्यशैली पर उठे सवाल-85 वर्षीय बुजुर्ग न्याय के लिए भटक रहा

चोरी के बरामद ट्रैक्टर को भी संदिग्ध तरीके से जब्त दिखाया-पुलिस जांच कटघरे में

ट्रैक्टर चोरी मामले में पुलिस पर मिलीभगत के आरोप-बुजुर्ग पीड़ित ने उठाई जांच बदलने की मांग

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले के उनियारा सर्किल अन्तर्गत नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में दर्ज दो अलग-अलग मामलों में पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम याकूबपुरा निवासी 85 वर्षीय लड्डू खां पिछले लंबे समय से अपने चोरी हुए ट्रैक्टर, ट्रॉली, कृषि उपकरण, सरसों और चांदी के जेवरात की बरामदगी के लिए दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी का ट्रैक्टर (आरजे 25 आरबी 1310) आरोपी पहलवान खां निवासी भणजेरी थाना देवी जिला बूंदी द्वारा ट्रॉली, इंजन, हल सहित चोरी कर लिया गया था, जिसे बाद में रानीपुरा निवासी ओमप्रकाश मीणा को बेच दिया गया। इस संबंध में थाना नगरफोर्ट में रिपोर्ट दी गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बाद में न्यायालय के आदेश पर एफआईआर संख्या 127/2025 (17 सितंबर 2025) एवं एफआईआर संख्या 25/2026 (26 फरवरी 2026) दर्ज की गई। दोनों मामलों की जांच हैड कांस्टेबल हेमराज मीणा को सौंपी गई है।

जांच पर उठे गंभीर सवाल

पीड़ित लड्डू खां के कथित तौर पर आरोप है कि जांच अधिकारी द्वारा चोरी गए ट्रैक्टर और उपकरणों की विधिवत जब्ती नहीं की गई, आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, बरामद ट्रैक्टर को आरोपी से जब्त दिखाने के बजाय मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 में जब्त दर्शाया जा रहा है। यह स्थिति पुलिस और आरोपियों के बीच संभावित मिलीभगत की ओर संकेत करती है।

अन्य सामान अब तक गायब

प्रकरण संख्या 127/2025 में चोरी गए 110 कट्टे सरसों, करीब 700 ग्राम चांदी के जेवरात, अब तक बरामद नहीं किए गए हैं। साथ ही मारपीट और गाली-गलौज के आरोपों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। बुजुर्ग की न्याय की गुहार 85 वर्षीय पीड़ित लंबे समय से अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन उसे न्याय नहीं मिल रहा। वर्तमान जांच अधिकारी पर निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस प्रशासन से मांग

पीड़ित ने जिला पुलिस अधीक्षक टोंक एवं पुलिस उपाधीक्षक उनियारा से मांग की है कि - चोरी गए ट्रैक्टर व अन्य सामान की शीघ्र बरामदगी करवाई जाए, सरसों और चांदी के जेवरात बरामद किए जाएं, आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, वर्तमान जांच अधिकारी को हटाकर निष्पक्ष व वरिष्ठ अधिकारी से जांच करवाई जाए।

भिश्ती समाज सुधार संस्थान की केबिनेट बैठक संपन्न

चित्तौड़गढ़। भिश्ती समाज सुधार संस्थान की बैठक रेलवे स्टेशन क्षेत्र में स्थित अशफाक उल्ला खान सामुदायिक भवन में पूर्व सदर मोहम्मद इकबाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

संस्थान की बैठक में वार्षिक चंदे पर प्रस्ताव पास हुआ, जिसमें वार्षिक चंदा एक मुश्त जमा करने पर 500 रुपये वार्षिक 284 सदस्यों को अनिवार्य रुप से जमा कराने का निर्णय हुआ। इसके साथ ही आगामी वर्ष 2027 में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने सहित अन्य प्रस्ताव लिए गए। जिस पर सभी सदस्यों से सहमति जताई। बैठक में सदर रशीद मोहम्मद, सेकेट्री शहादत हुसैन, कोषाध्यक्ष सरफराज खान, सलीम, आरिफ उर्फ बबलू , आरिफ हुसैन, वसीम खान, आदिल अब्बासी, सद्दाम अब्बासी, शाकिर हुसैन, शहजाद अब्बासी, जाकिर हुसैन, पप्पू, आजाद हुसैन, फिरोज खान, वसीम, मोहम्मद इकबाल सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण विभाग की संभाग स्तरीय बैठक

श्रमिक कल्याण उपकर के संग्रहण की गति बढ़ाएं, निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हो संग्रहण:शासन सचिव

स्मार्ट हलचल

दौसा। श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण विभाग के शासन सचिव पीसी किशन ने भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण उपकर का संग्रहण निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। वे मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट में जयपुर संभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। शासन सचिव ने उपकर संग्रहण की समीक्षा करते हुए कहा कि

निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अधिकतम उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से ही लक्ष्य अर्जन की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं तथा निजी क्षेत्र से उपकर संग्रहण पर विशेष ध्यान दिया जाए।उन्होंने सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की पृथक समीक्षा करते हुए सर्वे, एसेसमेंट ऑर्डर, उपकर संग्रहण एवं लंबित वसूली प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक माह निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपकर संग्रहण में वृद्धि के लिए सतत मॉनिटरिंग रखें, फील्ड में सक्रिय उपस्थिति बनाए रखें तथा दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करें।

श्रम कल्याण बोर्ड की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण श्रमिकों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए अधिकाधिक श्रमिकों का पंजीयन एवं लाभ देना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कम प्रगति वाली योजनाओं में हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने तथा निर्माण श्रमिकों के लिए सुरक्षा मानकों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रेच्युटी से संबंधित तीन माह से अधिक पुराने प्रकरण लंबित नहीं रखने पर बल दिया।

लेबर चौक फैसिलिटेशन सेंटर की प्रगति की समीक्षा करते हुए शासन सचिव ने प्रत्येक जिले में प्रारंभिक चरण में पांच-पांच लेबर चौक विकसित करने के निर्देश दिए। कारखाना एवं बॉयलर विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने बॉयलर्स का नियमित निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की सख्त पालना तथा हैवी ड्यूटी बॉयलर्स पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में श्रम आयुक्त पूजा कुमारी पार्थ सहित श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण विभाग तथा ईएसआई विभाग के जयपुर संभाग के विभिन्न जिलों के अधिकारी उपस्थित रहे।

टूटी पाइपलाइन पर बना दी सड़कः ग्राम ढावा में जल संकट गहराया– ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड से बुटाटी तक बन रहे सड़क निर्माण कार्य ने ग्राम ढावा के ग्रामीणों के लिए गंभीर जल संकट खड़ा कर दिया है। आरोप है कि निर्माण के दौरान पानी की पाइपलाइन टूट गई, लेकिन उसे ठीक कराने के बजाय उसी के ऊपर सड़क बना दी गई। परिणामस्वरूप पिछले लंबे समय से गांव में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है।ग्राम ढावा के लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में स्थिति और भी विकट हो गई है, जहां पीने के पानी तक के लिए ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी हरजी नाडा ने बताया कि वर्ष 2024 से ही यह समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। ग्रामीणों का कहना है कि मेड़ता रोड से छापरी, ढावा होते हुए बुटाटी तक बने सड़क मार्ग के निर्माण के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने लापरवाही बरतते हुए पाइपलाइन की मरम्मत नहीं करवाई और सड़क निर्माण पूरा कर दिया।

समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने 181 हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर गांव के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और सड़क पर मटकियां फोड़कर अपना आक्रोश जताया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पाइपलाइन को दुरुस्त कर पानी की आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि उन्हें इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

माहेश्वरी समाज के चुनाव 31 जनवरी 2026 तक जारी फैमिली आईडी से होंगे

चित्तौड़गढ़। दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यकारी मण्डल की भिचोर बैठक में लिए गए निर्णय की पालना में महासभा द्वारा स्वीकृत मॉडल विधान के अनुसार एवं 31 जनवरी 2026 को जारी फैमिली आईडी मतदाता सूची से चित्तौड़गढ़ जिला माहेश्वरी संस्थान के चुनाव करवाए जाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पश्चिमांचल 31 जनवरी 2026 को जारी फैमिली आई से होंगें। चुनाव अधिकारी राधेश्याम सोमानी ने बताया कि दक्षिणी राजस्थान प्रदेश सभा से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिला माहेश्वरी संस्थान के चुनाव संपादित हेतु मुख्य चुनाव अधिकारी मधुसूदन बागला निवासी भीलवाड़ा, राकेश जेथलिया चित्तौड़गढ़ व लक्ष्मी नारायण काबरा भीलवाड़ा को चुनाव अधिकारी एवं संयोजक एस.एन.माहेश्वरी उदयपुर को नियुक्त किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी से प्राप्त निर्देशानुसार 30 जून 2026 तक जिला सभा के चुनाव संपादित करवाए जाने हैं। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में जिला तदर्थ समिति संयोजक अनिल ईनाणी द्वारा मतदाता सूचियों को परीक्षण हेतु सभी तहसील सभाओं के अध्यक्ष को प्रेषित करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

3 मई को सजेगी सुरों की महफिल, लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट में गूंजेंगे गीत

स्मार्ट हलचल| कोटा

शहर के संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार संगीतमय संध्या का आयोजन होने जा रहा है। प्रतिभावान गायकों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सक्रिय संस्था सृजन द स्पार्क, कोटा के तत्वावधान में 3 मई को लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम रोड नंबर-1 स्थित सी.पी. ऑडिटोरियम में सायं 7:15 बजे से प्रारंभ होगा।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. विजय सरदाना ने बताया कि कॉन्सर्ट में सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका भाव्या पंडित एवं 'के-किशोर कुमार' फेम अनिल श्रीवास्तव अपनी प्रस्तुतियों से शाम को सुरमयी

बनाएंगे। कार्यक्रम के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया, जिसमें सरंक्षक प्रेम भाटिया,सचिव संजीव अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिमेष जैन, राजकुमार जैन, अमित बंसल, कोषाध्यक्ष विकास जैन अजमेरा तथा मनीष पाटनी एवं मनोज जैन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के लिए विवेक जैन एवं उत्सव उत्सव बड़जात्या को प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनाया है।

सचिव संजीव अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भाव्या पंडित इंडियन आइडल सीजन-4 की टॉप-5 फाइनलिस्ट एवं फिल्मफेयर नॉमिनी रह चुकी हैं। वे देश-विदेश में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेर चुकी हैं और 35 से अधिक देशों में 1000 से ज्यादा लाइव शो कर चुकी हैं। साथ ही वे सारेगामापा एवं सारेगामापा लिटिल चैंप्स में आठ सीजन तक ज्यूरी सदस्य रह चुकी हैं। कोषाध्यक्ष विकास अजमेरा ने बताया कि उन्होंने प्रियंका चोपड़ा अभिनीत फिल्म 'व्हाट्स योर राशी' तथा अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार' में पार्श्वगायन किया है। वर्ष 2007 में उन्हें प्रदर्शन कला में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित बालश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

उपाध्यक्ष अनिमेष जैन ने बताया कि अनिल श्रीवास्तव 'के-किशोर कुमार' के नाम से विख्यात हैं। बॉलीवुड के नवीनतम गीतों से लेकर सदाबहार रेट्रो, सूफी, ग़ज़ल, अर्धशास्त्रीय, भक्ति संगीत एवं गरबा-डांडिया जैसे विविध संगीत रूपों में दक्ष हैं।

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवसः छात्रों ने जाने मीडिया और जनसंपर्क के गुर, सरकारी योजनाओं की मिली जानकारी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। 21 अप्रैल राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में शहर के मंगल न्यूटन स्कूल में विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने के लिए एक विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। 'फ्रॉम न्यूज़रूम टू बोर्डरूमः करियर अपॉर्च्युनिटीज इन मीडिया एंड पीआर' विषय पर आयोजित इस सत्र में विशेषज्ञों ने मीडिया और जनसंपर्क जगत के बदलते स्वरूप पर चर्चा की।

मीडिया और पीआर में करियर की राहः मुख्य वक्ता, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी सतीश सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि

वर्तमान दौर में मीडिया, जर्नलिज्म और पब्लिक रिलेशन के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। उन्होंने सरकारी और कॉर्पोरेट पीआर अभियानों के बीच के अंतर को समझाते हुए बताया कि कैसे एक बेहतर संचार कौशल करियर को ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

सरकारी योजनाओं का प्रसारः सत्र के दौरान सतीश सोनी ने राजस्थान सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विभाग द्वारा तैयार की गई आधिकारिक प्रचार-प्रसार सामग्री और पत्रिकाओं का वितरण भी किया गया, ताकि विद्यार्थी प्रदेश की विकास योजनाओं से अवगत हो सकें। विशेषज्ञों का अनुभवः कार्यक्रम में दिल्ली दूरदर्शन के संवाददाता कुलभूषण उपाध्याय ने भी शिरकत की। उन्होंने पत्रकारिता की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि सूचना के इस युग में सटीक और प्रभावी जनसंपर्क का कितना महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस चुनौतीपूर्ण लेकिन रोमांचक क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित किया।

आभार प्रदर्शनः कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्राचार्य रेचल लिटिल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सत्र को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों को किताबी ज्ञान से हटकर व्यावहारिक करियर विकल्पों को समझने में मदद मिलती है।

दिव्यांग बच्चों और बुजुर्गों संग मनाया एम.डी. चोपदार का जन्मदिन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजनीति जब व्यक्तिगत प्रचार से ऊपर उठकर जनसेवा का माध्यम बनती है, तो वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट एम.डी. चोपदार के 51वें जन्मदिवस पर कुछ ऐसा ही दृश्य ब्यावर में देखने को मिला। उनके जन्मदिन को 'सेवा पर्व' के रूप में मनाते हुए प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं जिला प्रवक्ता ऋषि लांबा के नेतृत्व में सुबह से शाम तक मानवता की सेवा के विभिन्न कार्य किए गए।

बेजुबानों की सेवा से दिन का आगाज

दिन की शुरुआत सुबह गौशाला में गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर की गई। इसके पश्चात

ऋषि लांबा ने दादाबाड़ी पहुँचकर पक्षियों के लिए दाना डाला। लांबा ने कहा कि इन बेजुबान जीवों की दुआएं अनमोल होती हैं।

दिव्यांग बच्चों और बुजुर्गों के बीच साझा की खुशियां

जन्मदिन के अवसर पर ऋषि लांबा 'दिव्या ज्योति चिल्ड्रन विशेष विद्यालय' पहुँचे, जहाँ उन्होंने मानसिक एवं दिव्यांग बच्चों के साथ समय बिताया। बच्चों को अल्पाहार और चप्पलें वितरित की गईं। इसके बाद टीम वृद्धाश्रम पहुँची, जहाँ बुजुर्गों को फल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। अपनों से दूर रह रहे बुजुर्गों की आँखें इस अपनेपन को देखकर नम हो गईं।

दोपहर में ऋषि लांबा झुग्गी-झोपड़ियों में पहुँचे, जहाँ अभाव में जी रहे लोगों को धूप से बचाव के लिए चप्पलें वितरित की गईं। साथ ही, बच्चों को कॉपी, पेन, स्लेट और पुस्तकें बांटकर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया। लांबा ने संदेश दिया कि 'कलम ही भविष्य बदलने का सबसे सशक्त हथियार है।'

पार्टी पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

ऋषि लांबा ने एम.डी. चोपदार के स्वस्थ और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका जीवन सदैव मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ने के लिए समर्पित रहा है। इस दौरान प्रदेश सचिव सेवादल सोहन मेवाड़ा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अशोक रांका, पूर्व पार्षद दिनेश जैन, दिव्यांग प्रदेश अध्यक्ष पप्पू पलहवान, पूर्व महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष राधिका शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फसली ऋण को चुकाने की तारीख बढ़ा कर 15 मई की

स्मार्ट हलचल|टोंक

राज्य सरकार ने ग्राम सेवा सहकारी समिति के ऋणी सदस्यों को राहत देते हुए फसली लोन चुकाने की तारीख बढा कर 15 मई 2026 कर दी है। दूनी ग्राम सेवा सहकारी समिति लि के चेयरमैन मोतीलाल मेहरा ने बताया की राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व सहकारिता मंत्री गोतम कुमार दक ने ग्राम सेवा सहकारी समिति के सभी ऋणी सदस्यों को राहत देते हुए लोन चुकाने की तिथि 15 मई तक बढ़ा दी है क्योंकि राजस्थान की सम्पूर्ण ग्राम सेवा सहकारी समिति लि मे कार्यरत व्यवस्थापक हडताल पर होने के कारण ग्राम सेवा सहकारी समिति के ऋणी सदस्यों के फसली ऋण की राशि जमा नहीं करने की वजह से सदस्यों द्वारा समय पर लोन जमा नहीं करवा पाये जिसके कारण राज्य सरकार ने लोनी सदस्यों को राहत देते हुए लोन जमा करवाने की अंतिम तारीख बढा दी है जिन सदस्यों ने अभी तक अपना लोन जमा नही करवाया है वह सभी ऋणी सदस्य अपनी सोसाइटी की नजदीक की बैक की शाखा दी सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक मे जाकर अपने लोन की राशि 15 मई तक जमा करवा सकते हैं दूनी सी सी बैंक के शाखा प्रबंधक धीरज जैन ने बताया की ग्राम सेवा सहकारी समिति के माध्यम से जिन किसानों ने लोन ले रखा है वह बैंक शाखा में आकर अपने लोन की राशि 15 मई 2026 तक जमा करवा सकते हैं इसके बाद ब्याज के साथ लोन की राशि को चुकाना पड़ेगा यह ऋणी सदस्यों के पास लोन की राशि जमा करवाने का अंतिम अवसर है।

श्री पाबुजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण एवं प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। नागौर जिले की मेड़ता तहसील के गांव ढावा में महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के अंतर्गत श्री पाबुजी महाराज की प्रतिमा स्थापना, प्राण-प्रतिष्ठा, जागरण एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आयोजन की शुरुआत प्रतिदिन प्रातः धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुई। तथा जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें भजन-कीर्तन और लोकदेवता पाबुजी महाराज की महिमा का गुणगान किया गया। श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन रहे। 20 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के साथ श्री पाबुजी महाराज की प्रतिमा का

अनावरण एवं प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संतों के सानिध्य में यह धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इसके पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में संत श्री सज्जनराम जी महाराज, संत श्री रामनिवास जी महाराज, संत श्री धर्मदास जी महाराज सहित कई संतों का सानिध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरु रहे। इसके अलावा क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, पूर्व विधायक, सांसद और गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम का संचालन राकेश सिसोदिया द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया, जिन्होंने आयोजन को सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। गांव में इस भव्य आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण बना रहा।

कार में लगी अचानक आग-सर्किट हाउस के पास मची अफरा-तफरी

स्मार्ट हलचल

टोंक। टोंक जिला मुख्यालय पर सर्किट हाउस के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब एक खड़ी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार खड़ी थी तभी उसमें से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही पलों में आग की लपटें दिखाई देने लगीं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कार को भारी नुकसान पहुंचा है।प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण तेज गर्मी और तकनीकी खराबी माना जा रहा है।फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है।

बूंदी के तलवास जंगल का शांत क्षैत्र पेंथर को आया रास, जंगल सफारी हेतु तलवास का एक जोन बनाने की मांग- मूलचंद शर्मा

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिले में अरावली पर्वतमाला की पहाड़ियों का अनुठा संगम हैं। इन पहाड़ियों की श्रृंखला में तलवास का क्षेत्र भी आता हैं। तलवास में पहाड़,घने जंगल, पानी, शांत वातावरण होने के कारण जंगली जानवरों को यह क्षेत्र रास आता है। तलवास के आसपास के जंगलों में पेंथर व भालू का मुवमेंट बना रहता हैं। यह मुवमेंट यहां के भविष्य के लिए सुखद समाचार हैं। रामगढ़ विषधारी अभयारण्य से जुड़ा यह क्षेत्र हर दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण स्थान है। यहां पर लगातार पेंथर की उपस्थिति महत्व रखती है। यह पेंथर

भयमुक्त होकर क्षेत्र में भ्रमण करता है। तलवास जेतपुर सड़क मार्ग पर वन विभाग की सुरक्षा दीवार पर व सड़क किनारे कितने ही व्यक्तियों को नजर आया है।

समाजसेवी मूलचंद शर्मा ने बताया कि प्राकृतिक प्रेमी तथा तलवास ग्रामीणों की मांग है कि पर्यटकों के भ्रमण हेतु तलवास क्षेत्र में रामगढ़ विषधारी अभयारण्य का एक जोन बनाने की आवश्यकता हैं। इस बाबत राज्य सरकार एवं सम्बन्धित मंत्री व अधिकारियों से ज़र्रे पत्र अनुरोध किया जा रहा है। तलवास के जंगलों में सुरक्षा, जल, घास, जंगली जानवरों, पर्यटन स्थलों की पर्याप्तता है। पर्यटकों को भ्रमण करने हेतु जंगली जानवरों के अलावा पानी के झरने, विशाल टांके, मन्दिर, सनसेट प्वाइंट, विशाल जंगल, रतनसागर झील सहित अन्य अलग-अलग दृष्टिकोण के विविध पाइंट है। वन विभाग द्वारा पूर्व में अजीतगढ़ किले पर जाने का रास्ता बनाया गया है। रतनसागर झील के चारों तरफ भी आवागमन हेतु सुगम रास्ता हैं। इस क्षेत्र को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित होने का इन्तजार है।

उड़ान योजनान्तर्गत राज-सिमस पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक

स्मार्ट हलचल|बूंदी

उड़ान योजनान्तर्गत राज-सिमस पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए मंगलवार को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा के निर्देशानुसार उपनिदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं, ऋचा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर ने प्रतिभागियों को लाभार्थियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, सैनेटरी नैपकिन की सप्लाई प्राप्त करने तथा उनके सुचारु वितरण की संपूर्ण प्रक्रिया समझाई। विभाग के वरिष्ठ सहायक

रवि राज मिश्रण ने उपस्थित महिला सुपरवाइजर्स को चरणबद्ध तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया, जिससे वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में इस योजना का सफल संचालन सुनिश्चित कर सकें।

बैठक में बाल विकास परियोजना अधिकारी आदित्य सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी नैनवा मोहनीश गुर्जर एवं विभाग की सूचना सहायक राशि श्रृंगी, विधिक परामर्शदाता विनिता अग्रवाल, मास्टर ट्रेनर योगेश सेन एवं समस्त महिला पर्यवेक्षक, समेकित बाल विकास सेवाएं मौजूद रहीं। साथ ही, सहायक निदेशक ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके एवं इस दौरान विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री वर्क फॉर्म होम योजना की भी जानकारी दी गई। बैठक में राज-सिमस पोर्टल के सही उपयोग, पारदर्शिता बनाए रखने एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया।

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

विपक्षी खेमे मे राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वाताओं ने यह दशार्या कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं ।महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है।

इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दशार्ता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दशार्ती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं ,लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है ।जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं ।महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढांचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ता है।

इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है ।उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है ।यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है।

दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है। यह वह स्थिति है जहां संघर्ष में भी जीत का अनुभव होता है। क्योंकि उद्देश्य स्पष्ट और प्रयास निरंतर हैं जनता इस अंतर को समझती है और यही समझ भविष्य में उनके समर्थन का आधार बन सकती है।

यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का है लेकिन विशेष रूप से विपक्ष के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़े और राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभाए अन्यथा वह जनता का विश्वास खोता जाएगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है ।इसमें जहां एक ओर विपक्ष की कमजोरियां उजागर हुई हैं वहीं दूसरी ओर एनडीए की दृढ़ता और संकल्प सामने आया है। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं वे यह बताते हैं कि जनता अब अधिक सजग है और वह सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए तैयार है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी है।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षो में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फाथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर ह्यगंभीर चिंताह्ल जताई है।

ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरूआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था

वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें

शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा जबाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का जबाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जबाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मयार्दा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का कोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैँ हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय

सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढ़ेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालांकि मुझे भी दुःख है लेकिन अदालत तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएं वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध- विदेशी निवेशकों की मानसिकताः स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता

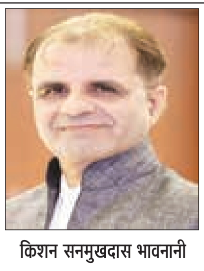

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है,और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता औरशासन की विश्वसनीयता से जुड़ा होता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का गिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई।लोकसभा में 528 सांसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े,लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का गिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी।शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिसी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है।यहीं से बाजार में अनिश्चितता का प्रवेश होता है और अनिश्चितता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और सटीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टिः नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फेलोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूल 66 और बाजार की प्रतिक्रियाः प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निलंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक ह्लप्रोसीजरल रिस्क ह्व (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था।निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं,बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में ह्लगवर्नेंस रिस्क प्रीमियमह्व बढ़ जाता है अर्थात निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं।शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रियाः गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीतिऐसे घटनाक्रमों के बाद आमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैंः शॉर्ट-टर्म गिरावट (शार्ट - टर्म-करेक्शन):निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं,जिससे बाजार में गिरावट आती है।वोलैटिलिटी (वोलाटिलिटी) में वृद्धिः बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का सतर्क रवैयाः इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या 'वेट एंड वाच रणनीति अपनाते हैं। यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो।वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े विश्लेषक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आधारों पर आंकते हैंः(1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3)संस्थागत पारदर्शिता जब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है।इससे पोलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम रुपया, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चितता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता हैः(1) रुपया (करेंसी):विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।(2)बॉन्ड मार्केटः सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केटः कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चितता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोणहालांकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है,लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है,तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकिः(1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है(2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती हैअर्थात, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए 'लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर' बन सकते हैं भले ही अल्पकाल में अनिश्चितता हो।

साथियों बात अगर हमस्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तोः बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष।जीप्टो , ब्लाइंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने तेजी से विस्तार किया है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं जैसे प्रेडेटरी प्राइसिंग और पारंपरिक रिटेल को नुकसान।आईपीओ बाजार पर संभावित असरः वैल्यूएशन बनाम वास्तविकता, यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह बाजार में बबल फार्मेशन का संकेत हो सकता है।(1) निवेशकों के लिए जोखिम : (2)ओवरवैल्यूएशन पर निवेश (3) लिस्टिंग के बाद गिरावट (4) बाजार में भरोसे की कमी,यदि ऐसे आईपीओ असफल होते हैं, तो यह पूरे टेक सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम नियामक साख और बाजार की विश्वसनीयता इसको समझने की करें तो, नियामक संस्थाओं की भूमिका इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वे निवेशकों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते, तो बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।यह स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक 'रेड फ्लैग' बन सकती है, जिससे वे अन्य देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक घटनाक्रम और बाजार के बीच संबंध का सार इसको समझने की करें तो 16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं किःराजनीति और बाजार अलग-अलग नहीं हैं,नीतिगत अनिश्चितता बाजार को तुरंत प्रभावित करती है,निवेशकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या यह गिरावट अवसर है या चेतावनी? शेयर बाजार में हर गिरावट केवल जोखिम नहीं होती कई बार यह अवसर भी होती है। यदि सरकार आने वाले समय मेंःनीतिगत स्पष्टता बढ़ाती है,आर्थिक सुधारों को जारी रखती है,निवेशकों का विश्वास बहाल करती है,तो यह गिरावट एक 'बाइंग अपोर्चुनिटी बन सकती है।लेकिन यदि अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह बाजार के लिए एक दीर्घकालिक चुनौती बन सकती है।इसलिए ,भारतीय शेयर बाजार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि देशराजनीतिक स्थिरता और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है क्योंकि आज का निवेशक केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि विश्वास से निवेश करता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

खाने के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, सेहत पर पड़ सकता है हानिकारक असर!

पैदल चलना शरीर के लिए लाभदायक है। इससे वजन घटाने और मधुमेह रोगियों को लाभ होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए खाने के बाद टहलना एक चुनौती हो सकती है। जी हां, डॉ. अनुज के अनुसार, खाने के बाद तीन छोटी सैर (प्रत्येक 10 मिनट) रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में 30 मिनट की एक लंबी सैर से अधिक प्रभावी हो सकती है। यह बेहतर परिणाम देता है, खासकर अगर इसे खाने के तुरंत बाद किया जाए।

डायबेटोलोजिया पत्रिका में प्रकाशित 2016 के एक अध्ययन के अनुसार, भोजन के बाद 10 मिनट की सैर से टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार होता है। भोजन के बाद टहलने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है और पाचन के दौरान ग्लूकोज का उपयोग बेहतर होता है, जिससे शर्करा के स्तर में तेजी से होने वाली वृद्धि कम होती है।

खाने के बाद टहलने के फायदे

1. ब्लड शुगर नियंत्रित करें – खाने के बाद शरीर को अधिक इंसुलिन की जरूरत होती है। पैदल चलने से शरीर की कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन और ऊर्जा मिलती है, जिससे रक्त शर्करा का शीघ्र उपयोग होता है और स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

2. हृदय स्वास्थ्य– नियमित रूप से हल्का व्यायाम जैसे टहलना हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

3. वजन प्रबंधन– मधुमेह रोगियों के लिए वजन कम रखना बहुत महत्वपूर्ण है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और वजन नियंत्रण में मदद मिलती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

झारखंड के जन स्वास्थ्य अभियान में कार्यरत डॉक्टर अनुज कुमार कहते हैं कि खाने के बाद टहलना एक अच्छा व्यायाम है, लेकिन कुछ लोगों को खाने के बाद टहलने से बचना चाहिए। विशेषकर किसी भी पेट की सर्जरी के बाद।

खाने के बाद किसे टहलना नहीं चाहिए?

गैस्ट्रोपेरेसिस से पीड़ित लोगों में – इससे मतली या सूजन हो सकती है।

गंभीर हृदय रोग से पीड़ित लोगों में – खाने के बाद, रक्त प्रवाह पाचन पर केंद्रित होता है और परिश्रम के कारण हृदय पर दबाव पड़ सकता है।

हाइपोग्लाइसीमिया के रोगी – इंसुलिन या कुछ दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को चलते समय निम्न रक्त शर्करा का अनुभव हो सकता है।

आईबीएस) से पीड़ित लोग – यह एक गंभीर पाचन समस्या है। खाने के बाद टहलने से इसके लक्षण बढ़ सकते हैं।

कुछ लोगों को खाने के बाद चलने से चक्कर आना, सीने में दर्द या अत्यधिक थकान महसूस होती है, इसलिए उन्हें आराम करना चाहिए।

गर्मी में आग की भट्टी बन जाती है किचन, अपनी रसोई को ठंडा रखने के लिए करें ये 5 काम

कभी-कभी गर्मियों में कूलर या एसी के बिना रहना असंभव लगता है। यह मौसम उन लोगों के लिए विशेष रूप से थकाने वाला होता है जो दिन-रात रसोई में खाना पकाने में बिताते हैं। अधिकतर महिलाओं को लंबे समय तक रसोई में काम करना पड़ता है। उबलते बर्तनों, गर्म ओवन और खराब वेंटिलेशन के कारण रसोईघर अक्सर भट्टी में बदल जाता है, जिससे खाना बनाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह आप कुछ आसान टिप्स अपनाकर किचन को ठंडा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे किचन में गर्मी काफी हद तक कम हो सकती है और आप आराम से खाना बना सकते हैं।

पर्दे और हरियाली का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में बड़ी खिड़कियां हैं, तो उन्हें दिन के समय बंद रखें, प्रकाश और गर्मी को रोकने के लिए हल्के रंग के सूती पर्दे का उपयोग करें। आप अलमारियों पर इनडोर कूलिंग प्लांट भी लगा सकते हैं। हरियाली आसपास के वातावरण को अधिक ठंडा और आरामदायक बना सकती है। इसके अलावा आप रसोईघर के बाहर भी कुछ पौधे लगा सकते हैं। रसोईघर से गर्मी बाहर निकालने के लिए समय-समय पर खिड़की भी खोलें।

चिमनी और एग्जॉस्ट पंखों का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में चिमनी या एग्जॉस्ट फैन है तो गर्मियों में उनका प्रयोग करें। वे धुआं, भाप और नमी को कम करने में मदद करते हैं तथा शरीर को अधिक आरामदायक और सूखा रखते हैं। इससे आपका रसोईघर लंबे समय तक ठंडा रहेगा।

सुबह खाना पकाएँ

गर्मियों के मौसम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच गर्मी बहुत अधिक होती है। इसलिए, गर्मी से बचने के लिए सुबह जल्दी खाना पकाने की कोशिश करें। कई लोग दोपहर का भोजन सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच बनाना शुरू कर देते हैं, जब सूरज चमक रहा होता है। नाश्ता तैयार करने के बाद, अपना दोपहर का भोजन जल्दी से पकाने की कोशिश करें, खासकर उन चीजों को जिन्हें तैयार करने में लंबा समय लगता है।

अगर घर में नहीं आ रही है पॉजिटिव वाइब्स? तो आज ही ट्राई करें सही कलर, फर्नीचर और डेकोरेशन टिप्स

हर व्यक्ति एक ऐसा घर खरीदने का सपना देखता है जहां उसे शांति, सुखद और सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो। इसलिए लोग घर की साज-सज्जा और वास्तु पर तो विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन जब बात सजावट और फर्नीचर की आती है तो लोग सस्ते सामानों की ओर भागते हैं। वहीं, अगर आप अपने घर को थोड़ी समझदारी और रचनात्मकता के साथ सजाते हैं, तो घर न सिर्फ खूबसूरत दिखता है, बल्कि उसमें रहने वाले लोग भी खुश रहते हैं। आज इस लेख में हम सराफ फर्नीचर के सीईओ रघुनंदन सराफ से जानेंगे कि कैसे आप कुछ खास टिप्स और आइडियाज से अपने लिविंग रूम को ज्यादा सकारात्मक, आकर्षक और आरामदायक बना सकते हैं।

सही रंगों का उपयोग

पूरा दिन बाहर बिताने के बाद घर आने पर हर कोई शांति और आराम पाना चाहता है। इसलिए, आपको अपने कमरे की दीवारों पर बेज, हल्का भूरा और टेराकोटा जैसे रंगों पर विचार करना चाहिए। ये रंग आंखों को सुखा देते हैं। इसके अलावा, आपको अपने घर में लकड़ी का फर्नीचर भी रखना चाहिए, जिसमें डाइनिंग टेबल, कॉफी टेबल और बुकशेल्फ़ शामिल हैं। ऐसा करने से आप अपने घर में प्रवेश करते ही सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

लाल और सुनहरे रंग में सजावट

रघुनंदन सराफ कहते हैं कि अगर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा और चमक लाना चाहते हैं तो आपको लाल और सुनहरे रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। लाल रंग जोश और जुनून का प्रतीक है तथा सुनहरा रंग धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। आपको घर के लिविंग रूम में लाल कुशन, सुनहरे बॉर्डर वाले दर्पण, लाल कुर्सियां ??और सुनहरे डिजाइन वाले लैंप और फूलदान रखने चाहिए।

हरे पौधे लगाएँ

घर को ताज़ा रखने के लिए आपको इनडोर पौधे लगाने चाहिए। मनी प्लांट और बांस जैसे पौधे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। ये न केवल दिखने में सुंदर हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी लाते हैं।

बहुउपयोगी फर्नीचर

सराफ का कहना है कि यदि आपका घर छोटा है और आपके पास फर्नीचर के लिए कम जगह है, तो आप सोफा-कम-बेड, स्टोरेज के साथ बेंच, एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल और मल्टीफंक्शनल ओटोमन जैसे फर्नीचर खरीद सकते हैं और जगह भी बचा सकते हैं।

कांच या दर्पण वाला फर्नीचर

यदि आप अपने घर को बड़ा दिखाना चाहते हैं, तो आप कांच या कांच का फर्नीचर खरीद सकते हैं। आप कांच के टॉप वाली साइड टेबल या दर्पण वाली डाइनिंग टेबल खरीदकर जगह को बड़ा दिखा सकते हैं। हालाँकि, वास्तु के अनुसार आपको पूर्व या उत्तर दिशा में दर्पण या खिड़की लगानी चाहिए।

फेंग शुई से संबंधित आसान फर्नीचर सेटिंग टिप्स

अगर आप घर का माहौल शांत और खुशहाल रखना चाहते हैं तो आपको कुछ फेंगशुई टिप्स अपनाने चाहिए। आपको लिविंग रूम का सोफा दरवाजे की ओर रखना चाहिए, ताकि आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। घर के फर्नीचर के कोने नुकीले नहीं होने चाहिए और घर में सामान ज्यादा बिखरा हुआ नहीं होना चाहिए। घर में सोफा और कुर्सियां हमेशा गोलाकार में रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कपड़े धोने के बाद नहीं होगा प्रेस करने का झंझट, बस अपनाएं ये स्मार्ट हैक्स

कपड़े प्रेस करना हम सभी के लिए निश्चित रूप से उबाऊ होता है। विशेषकर, कोई भी व्यक्ति गर्मी की दोपहर में गर्म लोहे के सामने खड़ा नहीं होना चाहता। ऊपर से गर्मी, उमस और दिनभर भागदौड़ के कारण हम अपने कपड़ों को प्रेस करने में अपना समय और मेहनत दोनों बर्बाद करते हैं। हो सकता है कि आप भी गर्मियों में कपड़ों को प्रेस नहीं करना चाहते हों, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। जी हां, कुछ सरल उपाय हैं जिनका पालन करके आप अपने कपड़ों को बिना प्रेस किए भी ताजा और सिलवट रहित रख सकते हैं।

कपड़ों को बिना प्रेस किए भी सिलवटों से मुक्त रखना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। सही कपड़े के चयन से लेकर कपड़े धोने के कुछ टिप्स तक, कई सरल टिप्स हैं जो आपका समय, प्रयास और पसीना बचा सकते हैं। इसलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ सरल हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना इस्त्री किए भी कपड़ों को रिंकल फ्री रख सकते हैं–

कपड़ों का चयन बुद्धिमानी से करें

जब आप गर्मियों के मौसम में कपड़े खरीद रहे हों तो आपको केवल उसके हल्के वजन पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। यकीनन, इस मौसम के लिए कपास एक अच्छा कपड़ा माना जाता है, लेकिन इसे काफी प्रेस करना पड़ता है। इसलिए, आपको ऐसे कपड़े का चयन करना चाहिए जिसे इस्त्री करने की आवश्यकता न हो। उदाहरण के लिए, आप लिनेन मिश्रण से लेकर रेयान, निट और स्ट्रेच फैब्रिक तक का चुनाव कर सकते हैं। यदि आपको कपड़े के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, तो कपड़े खरीदते समय टैग पर रिंकल फ्री या नो आयरन की जांच कर लें।

कपड़ों को समझदारी से धोएं

आप अपने कपड़े कैसे धोते हैं, इससे भी बहुत फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए, मशीन में एक साथ बहुत सारे कपड़े न डालें जिससे उन्हें इधर-उधर घूमने के लिए जगह न मिले। इसके अलावा, कपड़े धोने के चक्र में फैब्रिक सॉफ़्नर या आधा कप सफेद सिरका मिलाएं, जिससे झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके अलावा, धोने के बाद हर कपड़े को अच्छी तरह हिलाएं और फैलाएं। शर्ट को हैंगर पर लटकाएं और उन्हें सही आकार में सुखाएं। इसके अलावा, झुर्रीदार कपड़ों के साथ ड्रायर में 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें और 10 मिनट तक चलाएं। भाप से सिलवटें अपने आप हट जाएंगी।

घर पर बनाएं झुर्रियों से राहत देने वाला स्प्रे

आप कपड़ों पर प्रेस किए बिना ही झुर्रियां हटाने के लिए घर पर ही रिंकल रिलीफ स्प्रे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक कप डिस्टिल्ड वाटर, एक चम्मच फैब्रिक सॉफ्टनर और एक चम्मच रबिंग अल्कोहल मिलाएं। आवश्यकतानुसार कपड़ों पर हल्का स्प्रे करें, फिर हाथ से सीधा करें। इसे 10 मिनट तक लटका कर सुखाएं।

स्टीमर के बिना भाप बनाने की तरकीब

यदि आपके पास स्टीमर नहीं है तो भी आप कपड़ों को सिलवट रहित बना सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी से नहाते समय कपड़ों को बाथरूम में लटका दें। दरवाज़ा बंद कर दें और भाप को 10-15 मिनट तक अपना काम करने दें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से कपड़ों को सीधा करें। सिलवटें आसानी से हटा दी जाएंगी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com